मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 29
मंगलवार, 05 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## महाराष्ट्र में मराठी बनाम गैर-मराठी तनाव नहीं: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

**मुंबई, 04 अगस्त।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है तथा दोनों में किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है।

फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे को से जुड़े भावनात्मक मुद्दे में न पड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में को लेकर विवाद राजनीतिक कारणों से पैदा किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में के मुद्दे पर दुबे की ओर से पिछले महीने की गई विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने अपने पार्टी सहयोगी को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि झारखंड से सांसद दुबे को मराठी बनाम गैर-मराठी मुद्दे में नहीं पड़ना चाहिए, जिसे राजनीतिक कारणों से खड़ा किया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, हम इससे निपटने में सक्षम हैं। यहां मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है। दोनों में से किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी भाषी उन नेताओं को सबक सिखाएंगे, जो उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि कम आय वर्ग की महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाडकी बहीण योजना के तहत धोखाधड़ी से लाभ लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से मुलाकात के लिए प्रस्तावित दिल्ली यात्रा के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने उद्धव पर अपने पिता दिवंगत बाल ठाकरे द्वारा दिखाए गए मार्ग से भटकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जो लोग बालासाहेब ठाकरे के दिखाए मार्ग से भटक गए हैं, वे चाहे कुछ भी कर लें, दोबारा सत्ता में नहीं आएंगे।

## मेघालय में कार के खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत

**मेघालय।** मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में एक कार के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक गर्भवती महिला शामिल है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शिलांग-डावकी रोड पर रिंगैन के पास रविवार शाम करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार, कार शिलांग से पिनुरस्ला जा रही थी, इस दौरान खतरनाक मोड़ों और कम दृश्यता के कारण चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमें संदेह है कि कार में पांच लोग सवार थे, जिसमें एक गर्भवती महिला भी शामिल थी। कई घंटों के प्रयास के बाद सिर्फ तीन शव बरामद किए जा सके हैं।

उन्होंने बताया कि सभी पांच शव बरामद कर लिए गए हैं और मृतकों में एक गर्भवती महिला शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर निर्माण कार्य 2023 से जारी है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया, ह्यह्यसड़क पर कोई संकेतक नहीं हैं, कोई सुरक्षा रेलिंग नहीं है और सुबह के समय दृश्यता लगभग शून्य हो जाती है। यह सच में बहुत खतरनाक है।

## 81 वर्ष की आयु में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

**रांची, 04 अगस्त।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन हो गया है। 81 वर्ष की आयु में उन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली।

वे पिछले करीब एक महीने से किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। शिबू सोरेन, जो झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता हैं, तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। प्रदेश के आदिवासी समुदाय में उनका खासा प्रभाव था और लोग उन्हें स्नेहपूर्वक 'दिशोम गुरु' कहकर पुकारते थे। अपने पिता सोबरन मांझी की हत्या के बाद शिबू सोरेन ने राजनीति में कदम रखा था और धनकटनी आंदोलन की अगुवाई कर उन्होंने इतिहास रच दिया।

## शिबू सोरेन ने जल, जंगल, जमीन के अधिकार के लिए आजीवन संघर्ष किया: मल्लिकार्जुन खड़गे

**नई दिल्ली, 04 अगस्त।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि झामुमो नेता ने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार तथा आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया।

खरगे ने सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर बात करके उन्हें ढांढस बंधाया। शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं। उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया।

उन्होंने कहा, मैंने उनके सुपुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात कर उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। दुःख की इस घड़ी में ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन सिर्फ सांसद और तीन बार मुख्यमंत्री नहीं थे, बल्कि ठीक 25 साल पहले झारखंड के निर्माण के लिए चलाए गए आंदोलन में वह निर्णायक भूमिका में थे।

उन्होंने कहा, वह सचमुच एक महान व्यक्ति थे जिनका सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति जुनून प्रेरणादायक था। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम, 2006 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के निर्माण में भारी योगदान दिया।

## निजीकरण नहीं चलेगा, संसाधन दो या संघर्ष झेलो

- **स्मार्ट मीटर की जबरदस्ती और फेसिअल अटेंडेंस नहीं स्वीकार**
- **बिजलीकर्मियों का एलान- निजीकरण की कब्र खुदेगी आंदोलन से**

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** बिजलीकर्मियों ने बिजली क्षेत्र के निजीकरण और संसाधनविहीन ह्यफेसिअल अटेंडेंसह्न को अनिवार्य बनाकर वेतन रोकने की कार्रवाई के विरोध में शनिवार को प्रबंध निदेशक कार्यालय, भिखारीपुर पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेताया कि जब तक निजीकरण और उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं ली जातीं, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

विधुत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों बिजलीकर्मियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बिना आवश्यक संसाधन (कैमरेयुक्त मोबाइल या कंप्यूटर) उपलब्ध कराए कर्मचारियों पर फेसिअल अटेंडेंस थोपना अनुचित है, और इसके आधार पर वेतन रोका जाना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है।

वक्ताओं ने प्रबंधन से पूछा कि जो कर्मचारी फील्ड में कार्यरत रहते हैं, वे क्या रोज सुबह 10 से शाम 5 बजे तक अटेंडेंस लगाकर अपनी ड्यूटी पूरी कर लेंगे? शाम के बाद होने वाले ब्रेकडाउन और मरम्मत कार्यों का जिम्मा कौन लेगा? क्या ऐसे समय पर अभियंताओं और लाइनमैन को नहीं बुलाया जाएगा? उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 20 जून 2025 को प्रबंध निदेशक पूर्वांचल और संघर्ष समिति वाराणसी के बीच हुई वार्ता में यह तय हुआ था कि जब तक सभी कार्यालयों व उपकेंद्रों पर फेसिअल अटेंडेंस के लिए संसाधन नहीं उपलब्ध कराए जाते, तब तक इसे अनिवार्य नहीं बनाया जाएगा। फिर भी जून और जुलाई का वेतन रोक दिया गया।

संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि निजीकरण में विलंब से हताश प्रबंधन अब बिजलीकर्मियों को मनमानी कार्रवाई और स्थानांतरण से प्रताड़ित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मार्च 2023 की हड़ताल के बाद ऊर्जा मंत्री ने उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों को वापस लेने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

संघर्ष समिति ने सरकार से निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखीं - फेसिअल अटेंडेंस के नाम पर रोका गया वेतन अविलंब दिया जाए। मार्च 2023 की हड़ताल के बाद दर्ज फर्जी एफआईआर वापस ली जाए। 55 वर्ष से ऊपर व डाउनसाइजिंग के नाम पर हटाए गए संविदा कर्मियों को पुनः बहाल किया जाए। स्थानांतरणों को निरस्त किया जाए। स्मार्ट मीटर लगाने की जबरन कार्यवाही बंद की जाए। रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने की धमकियों पर रोक लगे।सभा की अध्यक्षता ई. आर.बी. यादव और संचालन अंकुर पांडेय ने किया।

## श्रावण के चतुर्थ सोमवार पर बाबा दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

**वाराणसी।** श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को काशी नगरी एक बार फिर शिवमय हो उठी। बाबा विश्वनाथ के धाम में तड़के मंगला आरती के साथ दिन की शुरूआत हुई। हर-हर महादेव के उद्घोष और घंटा-घड़ियाल की गूंज के बीच भक्तों की लहरें धाम की ओर उमड़ पड़ीं। श्रद्धालु रात से ही मैदागिन और गोदौलिया की ओर से पंक्तिबद्ध होकर दर्शन के लिए डटे रहे। आरती के उपरांत धाम के मुख्य प्रवेश मार्गों पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्री कोविलूर स्वामी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर; डिप्टी कलेक्टर, नायब तहसीलदार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और मंदिर के कर्मी मौजूद रहे। मंदिर प्रशासन द्वारा दर्शन व्यवस्था को सुगम और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा के साथ-साथ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, मार्ग व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम को दुल्हन की तरह सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी, पारंपरिक पुष्प सज्जा और आकर्षक सजावट ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरी काशी शिवमय हो गई, और गंगा घाटों से लेकर बाबा दरबार तक सिर्फ आस्था का प्रवाह देखने को मिला। श्रावण मास में हर सोमवार का अपना विशेष महत्व है, लेकिन चतुर्थ सोमवार को लेकर भक्तों में अलग ही उत्साह देखा गया। मंदिर प्रशासन की ओर से बताया गया कि दर्शन व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रित और सुचारू रही, और किसी भी श्रद्धालु को कठिनाई न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

## सिरोही में निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत

**सिरोही।** राजस्थान के सिरोही जिले में सोमवार को एक निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पिंडवाड़ा के पुलिस उपाधीक्षक भंवर लाल चौधरी ने बताया कि पिंडवाड़ा उपखंड में रोहिड़ा क्षेत्र के भारजा गांव में एक नवनिर्मित दीवार भरभराकर गिर गई और आठ मजदूर मलबे के नीचे दब गए।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पिपली उर्फ दीपाली, काली और दिनेश के रूप में हुई है।

# टैरिफ दादागिरी के बीच स्वदेशी एक जनक्रांति बने

-ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ह्यदबाव की राजनीतिह्ण और ह्यटैरिफ की दादागिरीह्ण का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को ह्यलोकल के लिए वोकलह्ण बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को ह्यमृत अर्थव्यवस्थाह्ण तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की ह्यऑक्सीजनह्ण मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने ह्यमृतप्रायह्ण कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र ह्यस्वदेशीह्ण है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ ह्ययहां बनाएंह्ण तक सीमित नहीं है, यह ह्ययहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथह्ण बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का ह्यमेक इन इंडियाह्ण अभियान अब ह्यमेड बाय इंडियाह्ण की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली।

आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है।

आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब ह्यस्वदेशीह्ण एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी ह्यटैरिफ तानाशाहोंह्ण को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।

जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

# दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के अमर नायक का युगांत

-अजय कुमार

झारखंड की धरती का वो सूरज, जिसने आदिवासी समाज को शोषण, सूदखोरी और अन्याय के अंधेरे से निकालकर स्वाभिमान और सम्मान की रोशनी दिखाई, आज सदा के लिए अस्त हो गया। दिशोम गुरु शिबू सोरेन, जिन्हें झारखंड का पथ प्रदर्शक कहा जाता था, ने 4 अगस्त 2025 को सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। 81 वर्ष की आयु में उनके निधन ने न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश को एक ऐसी शख्सियत से वंचित कर दिया, जिसने जंगलों से लेकर संसद तक आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ी। शिबू सोरेन एक नेता से कहीं अधिक थे वे एक क्रांति थे, जिन्होंने महाजनों, जमींदारों और शोषक व्यवस्था के खिलाफ उलगुलान की हुंकार भरी। उनकी मशाल ने लाखों आदिवासियों को नई राह दिखाई, और उनकी डुगडुगी की गूंज आज भी झारखंड की माटी में गूंजती है।

11 जनवरी 1944 को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्मे शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और समर्पण की गाथा है। उनके पिता सोबरन सोरेन एक शिक्षक और गांधीवादी विचारों के व्यक्ति थे, जो उस दौर में महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाते थे। उस समय झारखंड में आदिवासियों को कर्ज के जाल में फंसाकर उनकी जमीनें हड़प ली जाती थीं। मेहनत का फल महाजन छीन लेते थे, और आदिवासी समाज गरीबी और शोषण का शिकार था। 27 नवंबर 1957 को सोबरन सोरेन की हत्या ने शिबू के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। पढ़ाई छोड़कर उन्होंने शोषण के खिलाफ बगावत का रास्ता चुना। युवा शिबू ने आदिवासी युवाओं को संगठित करना शुरू किया, और यहीं से दिशोम गुरु की यात्रा शुरू हुई, जिसने झारखंड के इतिहास को नया मोड़ दिया। 1970 के दशक में शिबू सोरेन ने धनकटनी आंदोलन की शुरुआत की, जो झारखंड के आदिवासी समाज का स्वर्णिम अध्याय बन गया। इस आंदोलन में आदिवासी युवा तीर-कमान लेकर खेतों की रखवाली करते, और महिलाएं हंसिया लेकर महाजनों की फसल काट लेती थीं। मांदर की थाप पर मुनादी के साथ यह आंदोलन रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, दुमका, टुंडी, पलमा, तोपचांची और बेरमो जैसे इलाकों में फैल गया। शिबू ने एक नैतिक मयार्दा तय की थी यह लड़ाई केवल खेतों तक सीमित रहेगी, न महाजनों की महिलाओं को निशाना बनाया जाएगा, न उनकी अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाएगा। इस अनुशासन ने उनके आंदोलन को न केवल मजबूती दी, बल्कि आदिवासियों में आत्मविश्वास और एकता का संचार किया। धनकटनी आंदोलन ने शिबू सोरेन को आदिवासियों का नायक बना दिया, जो शोषण और सूदखोरी से मुक्ति का प्रतीक बन गए।

4 फरवरी 1972 को शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और कॉमरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। यह संगठन बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी से प्रेरित था, जिसने 1971 में स्वतंत्रता हासिल की थी। झामुमो का लक्ष्य था झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाना और आदिवासी समाज को सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करना। इस संगठन ने न केवल आदिवासियों को एकजुट किया, बल्कि उनकी आवाज को राष्ट्रीय पटल पर बुलंद किया। शिबू की अगुवाई में झामुमो ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी, और 2000 में झारखंड के गठन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका रही। आज झामुमो झारखंड की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति है, जो शिबू के सपनों को जीवित रखती है।

शिबू सोरेन का जीवन आसान नहीं था। पारसनाथ के घने जंगलों में भटकते हुए, पुलिस की गोलियों से बचते हुए, उन्होंने रातें पेड़ों की छांव में गुजारीं। 1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी ने उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया। धनबाद के तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर केबी सक्सेना ने उन्हें सरेंडर के लिए राजी किया। 1976 में धनबाद जेल में बंद शिबू ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। एक महिला कैदी के छठ गीत सुनकर वे भावुक हो गए और जेल में छठ पूजा का आयोजन करवाया। कैदियों ने एक समय का भोजन त्यागकर इसका खर्च जुटाया, और महिला ने पारंपरिक आस्था के साथ पूजा की। यह घटना उनकी मानवीयता और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। एक अन्य घटना में, पलमा के जंगल में रात के समय पुलिस ने उन्हें घेर लिया। डुगडुगी की आवाज पर आदिवासियों का हुजूम इकट्ठा हो गया, और पुलिस को पीछे हटना पड़ा। यह था शिबू सोरेन का जनता के साथ अटूट रिश्ता। उनकी डुगडुगी एक संकेत थी, जो आदिवासियों को एकजुट करने की ताकत रखती थी।

शिबू सोरेन सामाजिक न्याय और महिला सम्मान के प्रति बेहद सजग थे। एक बार दुमका से धनबाद लौटते वक्त, छेड़खानी के एक मामले को सुनकर उन्होंने रास्ते में गाड़ी रुकवाई और गांव में कचहरी लगाकर त्वरित न्याय सुनिश्चित किया। शराब के खिलाफ उनकी सख्ती भी उल्लेखनीय थी। एक बार अपने चाचा के शराब पीने पर वे इतने नाराज हुए कि उन्हें पीटने पर उतारू हो गए। उनकी यह नैतिकता और अनुशासन उन्हें एक अलग पहचान देता था। वे न केवल आदिवासियों के नेता थे, बल्कि सामाजिक मूल्यों के रक्षक भी थे।

शिबू सोरेन का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। 1980 में वे पहली बार दुमका से लोकसभा सांसद बने। 1989, 1991 और 1996 में भी वे लोकसभा पहुंचे। 2002 में वे राज्यसभा सांसद बने, और उसी साल दुमका से लोकसभा उपचुनाव जीता। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे 2005 में 10 दिन के लिए, 2008-09 और 2009-10 में। केंद्र में कोयला मंत्री के रूप में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। उनकी राजनीति विवादों से भी घिरी रही, लेकिन आदिवासियों के प्रति उनकी निष्ठा कभी कम नहीं हुई। उनकी विरासत उनके बेटे और वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संभाली है, जिनके नेतृत्व में झामुमो झारखंड की सबसे बड़ी पार्टी बनी।

शिबू सोरेन के निधन की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। उनके बेटे हेमंत सोरेन ने भावुक होकर कहा, आज मैं शून्य हो गया हूं। मेरे पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों का प्रतीक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, शिबू सोरेन जी का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान आदिवासी सशक्तिकरण और झारखंड आंदोलन में हमेशा याद रखा जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, दिशोम गुरु ने शोषितों की आवाज बुलंद की। उनकी कमी कभी पूरी नहीं होगी। झारखंड के विभिन्न हिस्सों में लोग सड़कों पर उतरे, मांदर की थाप पर शोक गीत गाए गए, और उनके सम्मान में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं। सोशल मीडिया पर आम जनता, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उन्हें याद किया। एक यूजर ने लिखा, शिबू सोरेन ने हमें सिखाया कि हिम्मत और एकता से कोई भी जंग जीती जा सकती है।

शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक युग का अंत है। लेकिन उनकी मशाल, जो उन्होंने आदिवासियों के हक के लिए जलाई, कभी नहीं बुझेगी। धनकटनी आंदोलन से लेकर झामुमो के गठन और अलग झारखंड के सपने को साकार करने तक, उनका हर कदम एक प्रेरणा है। उनकी डुगडुगी की गूंज और मांदर की थाप झारखंड की माटी में हमेशा गूंजती रहेगी। उनकी विरासत न केवल हेमंत सोरेन, बल्कि हर उस व्यक्ति में जीवित है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस रखता है। शिबू सोरेन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके सपनों का झारखंड शोषणमुक्त, सशक्त और समृद्ध साकार हो। शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड को एक नई पहचान दी, बल्कि लाखों आदिवासियों को जीने का हौसला दिया। उनकी लड़ाई, उनका साहस और उनका समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें!

# योग्य माता योग्य राष्ट्र की निर्मात्री,स्त्रियों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका सर्वोपरी

संजीव ठाकुर

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। ।।भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को ' माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को महिमा-मंडित करते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

# स्कूल छोड़ती बेटियाँः संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक?

-प्रियंका सौरभ

-- प्रियंका सौरभ

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह नारा उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4% लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है।

घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा झ्र ये सारी बातें किसी शोधपत्र की विषयवस्तु नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत हैं जिनसे रोज हजारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। और अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। सरकारी आंकड़े भले ही बढ़े हुए नामांकन दिखाते हों, लेकिन हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल तक टिक नहीं पातीं।

एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक की स्कूल तो आसपास है, लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की कोई सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है।

शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं ही नहीं, या हैं तो गंदे, असुरक्षित, या क्षतिग्रस्त। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का।

सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं। इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो परिवार का भविष्य बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो शादी की उम्र निकलने का डर पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को लाभ से ज्यादा खर्च माना जाता है।

अब यदि इन परिस्थितियों में एक बेटी स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है – व्यवस्था की, समाज की, और हमारी?

इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है। परिवहन की सुविधा उतनी ही जरूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में स्कूल पास जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे। हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता केवल ह्यस्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा नहीं, बल्कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के सच्चे मर्म का आधार होना चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए। सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी। इसके साथ ही स्कूलों के भवन और अधोसंरचना को केवल औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान – ये सब स्कूल के मानक हिस्से होने चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बिंदु डिजिटल शिक्षा है। महामारी ने दिखा दिया कि जिनके पास मोबाइल, इंटरनेट और बिजली नहीं, वे पढ़ाई से बाहर हो जाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और उपकरण की उपलब्धता अब विलासिता नहीं, अनिवार्यता है। शिक्षा विभाग को उन लड़कियों की नियमित सूची बनानी चाहिए जो स्कूल छोड़ चुकी हैं। उनके घर जाकर कारण जानना, उन्हें वापस लाने के लिए प्रेरित करना, और माता-पिता को विश्वास में लेना प्रशासन की जिम्मेदारी होनी चाहिए। साथ ही समाज को भी आत्मावलोकन करना होगा। हम अपनी बेटियों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं – नौकरी के लिए, शादी के लिए या आत्मनिर्भरता के लिए? जब तक समाज का जवाब अस्पष्ट रहेगा, तब तक समाधान भी अधूरा रहेगा।

प्रशासन, समाज और परिवार को मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न हो। इसका अर्थ है केवल विद्यालय खुलवाना नहीं, बल्कि उसमें बेटी के जाने और टिके रहने की पूरी ज़िम्मेदारी लेना। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अगर केवल बैनर की पंक्ति नहीं रहना है तो इसे पंचायतों, स्कूल समितियों, शिक्षक संगठनों, अभिभावकों और छात्रों के साझा प्रयास में बदलना होगा। तभी एक ऐसा समाज बनेगा, जहाँ कोई भी बेटी पढ़ाई से वंचित नहीं होगी।

# पुलिस स्टेशनों में सड़ते वाहनों की समस्या

भारत में अपराधों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में वाहन अक्सर महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। कार, मोटरसाइकिल, ट्रक या अन्य साधन अपराध के दृश्य का एक अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। पुलिस द्वारा इन वाहनों को जब्त कर लिया जाता है और साक्ष्य के रूप में अदालत में पेश किया जाता है। हालांकि, इन जब्त वाहनों का प्रबंधन और रखरखाव एक ऐसी समस्या बन चुका है, जो न केवल पुलिस प्रशासन के लिए सिरदर्द है, बल्कि पर्यावरण, संसाधनों और सामाजिक दृष्टिकोण से भी एक गंभीर चुनौती बन गया है। पुलिस स्टेशनों और मालखानों में ये वाहन वर्षों तक सड़ते रहते हैं, जिससे न केवल जगह की कमी होती है, बल्कि यह व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करता है। भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सी.आर.पी.सी.) की धारा 102 के तहत पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने का अधिकार है, जो अपराध से संबंधित हों। इन वाहनों को मालखाने या पुलिस स्टेशन के परिसर में रखा जाता है, जब तक कि मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। हालांकि, सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में न्यायिक प्रक्रिया अक्सर लंबी चलती है। कई मामलों में, सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं और इस दौरान जब्त वाहन पुलिस स्टेशनों में खड़े रहते हैं। बारिश, धूप और धूल के संपर्क में रहने के कारण ये वाहन खराब हो जाते हैं और धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इससे भारत को हर साल लगभग 20,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो जाता है

कई मामलों में, ये वाहन उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति होते हैं, जो शायद निर्दोष हों या जिनके खिलाफ कोई ठोस सबूत न मिले। उदाहरण के लिए, एक ऑटो-रिक्शा चालक या टैक्सी ड्राइवर के लिए उसका वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन होता है। जब ऐसे वाहन लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रहते हैं, तो मालिक की आ?थक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। यह सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है क्योंकि अधिकांश प्रभावित लोग निम्न या मध्यम वर्ग से होते हैं। इसके अलावा, पुलिस स्टेशनों के बाहर खड़े वाहन अक्सर आस-पास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। ये वाहन सड़कों को अवरुद्ध करते हैं, पार्किंग की समस्या पैदा करते हैं और कई बार असामाजिक तत्वों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं। ऐसा देखा गया है कि वाहनों के महत्वपूर्ण हिस्से, जैसे बैटरी, टायर या इंजन के पुर्जे गायब हो जाते हैं। यह न केवल भ्रष्टाचार को दशार्ता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ हो रही है, जो न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर करता है।

इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। पहला कदम यह हो सकता है कि वाहनों की जब्ती और रिहाई की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए। प्रत्येक जब्त वाहन का रिकॉर्ड एक केंद्रीकृत डाटाबेस में दर्ज किया जाना चाहिए, जिसमें वाहन की स्थिति, जब्ती की तारीख और मामले की प्रगति की जानकारी हो। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि वाहन अनावश्यक रूप से लंबे समय तक हिरासत में न रहे। दूसरा, फोरैंसिक जांच की प्रक्रिया को और तेज करना होगा। सरकार को क्षेत्रीय स्तर पर फोरैंसिक प्रयोगशालाओं की स्थापना करनी चाहिए, ताकि जांच जल्दी पूरी हो सके। इसके साथ ही डिजिटल साक्ष्य, जैसे वाहन की तस्वीरें और 3डी स्कैन को अदालतों में स्वीकार करने की नीति बनानी चाहिए।

# नागरी संरक्षण दल द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

## सरावली ग्रामपंचायत सभागृह में 28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक चला प्रशिक्षण

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** केंद्र सरकार व राज्य सरकार के निर्देशानुसार महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग (विशेष) अंतर्गत नागरी संरक्षण दल, तारापुर-पालघर द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण प्रशिक्षण-3 का आयोजन 28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक सरावली ग्रामपंचायत सभागृह में किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक तथा उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह शिविर आयोजन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त व नागरी संरक्षण दल के पालघर जिला उपनियंत्रक काशीनाथ आर. कुडकुटे के विशेष मार्गदर्शन में किया गया। समारोप कार्यक्रम के अवसर पर कई मान्यवर उपस्थित थे, जिनमें अनंत पिरकर, पालघर विधानसभा विभागीय अधिकारी निलेश वझे, बोईसर विधानसभा विभागीय अधिकारी नरेश महस्के, कार्यालयीन कर्मचारी अनिकेत धोडी, स्वप्नील विदे, रवींद्र माच्छी, डहाणू के पूर्व स्टाफ ऑफिसर लोचन तामोरे व पूर्व मानसेवी अधिकारी शैलेंद्र मिश्रा शामिल थे। प्रशिक्षण में विशेष योगदान देने वाले मास्टर ट्रेनर सुवर्णा महामुनी, धनश्री जेना, प्रिया पाटील, सुषमा जाधव, श्वेता चौधरी, वैशाली राऊत, अपेक्षा संखे, सुवर्णा वडे, संगीता हडाल, राहुल तामोरे, अनिल हडाल व गौरव पाटील के परिश्रम की विशेष सराहना की गई। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान वसई से मानसेवी अधिकारी नरेंद्र सोलंकी और पूर्व अधिकारी राजेंद्र शाहू ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अलावा तलासरी विभाग से रोहित जाधव, डहाणू विभाग से पिनली मोरे और जव्हार विभाग से भूपेंद्र मिश्रा का भी प्रशिक्षण में उल्लेखनीय सहयोग रहा। इस सफल आयोजन के लिए सभी स्वयंसेवकों, मार्गदर्शक अधिकारियों एवं सहयोगी कर्मचारियों का आयोजन समिति की ओर से हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया गया।

## सांसद श्रीकांत शिंदे की 20 लाख निधी और - सीपी मिश्रा के प्रयासों से विकास कामों का भूमिपूजन

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण पूर्व में सांसद डा.श्रीकांत शिंदे की मुलभूत 20 लाख की विकास निधि से विभिन्न विकासकार्य किए जाएंगे। इन विकासकार्यों का भूमिपूजन रविवार को संपन्न हुआ।

शिवसेना शिंदे गुट के उत्तर भारतीय विभाग के शहर प्रमुख सीपी मिश्रा के प्रयासों से इन कामों के लिए निधि मंजूर की गई है। कैलास नगर में नालियों पर लादी लगाना इसी तरह सूर्या स्कूल के पास शिव सह्याद्रि पार्क चाल में खुली नालियों पर लादी लगाई जाएगी अमर कॉलनी में पेव्हर ब्लॉक सुविचार मित्र मंडल परिसर में पेव्हर ब्लॉक लगाए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद गुप्ता,राज शुक्ला, विंध्याचल शुक्ला,बबला दादा ,हर्षल सालवी,भरत जाधव उपस्थित थे। स्थानिक नागरिकों ने सीपी मिश्रा का आभार प्रकट किया है, जिन्होंने जनता को मुलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए निरंतर प्रयास किया है।

## अंधेरी पूर्व में हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से छात्रों को मुफ्त नोटबुक का वितरण

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** अंधेरी पूर्व के मारुति हाई स्कूल में हिंदी भाषी विकास परिषद द्वारा पी एस फाउंडेशन की अध्यक्षा स्वीकृति शर्मा के जन्मदिन समारोह के परिप्रेक्ष्य में स्कूली बच्चों को मुफ्त में नोटबुक का वितरण किया। खास बात यह है कि स्वीकृति शर्मा का जन्मदिन स्कूली बच्चों द्वारा अनोखे तरीके से मनाया गया। समारोह में प्रमुख अतिथि पी एस फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही सच्ची ताकत है। यदि विद्यार्थियों को योग्य संसाधन और सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। आज के बच्चे कल के भारत के भविष्य हैं। इस अवसर पर हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से स्वीकृति शर्मा की उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हिंदी भाषी विकास परिषद के संस्थापक अध्यक्ष उमेश उपाध्याय, परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट संदीप शुक्ला, तालुका अध्यक्ष अशोक दुबे , संदीप चौबे, पुष्पा त्रिपाठी , सौरभ उपाध्याय, सेंडी रावत सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और अभिभावक उपस्थित थे।

## एडवोकेट उज्वल निकम को राज्यसभा में मनोनीत किए जाने पर मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया सत्कार

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** प्रसिद्ध अधिवक्ता उज्वल निकम को हाल ही में राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष वसीम खान के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र के प्रति अपने आप को समर्पित कर देने वाले पद्मश्री से सम्मानित एडवोकेट उज्वल निकम से मिलकर उन्हें राज्यसभा में मनोनीत होने पर बधाई दी। इस अवसर पर मुंबई भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री एग्नेलो फर्नांडीस भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई के उपाध्यक्ष मौलाना अब्दुल बारी खान उत्तर पश्चिम ज़िला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष हुसेन पठाण ,अनिकेत निकम चाँदीवली विधानसभा वॉर्ड क्रमांक १५८ के अध्यक्ष हरेंद्र सिंह ,बशीर खान , आदिल खान संजय मौर्या, शशि मौर्या , शाहनवाज पठाण सहित अल्पसंख्यक मोर्चा के अनेक लोग उपस्थित थे। एडवोकेट उज्वल निकम को बधाई देते हुए वसीम खान ने कहा कि इस देश के उच्च पद पर निकम साहब जैसे काबिल व्यक्ति का होना बहुत जरूरी है जो समाज में दबे कुचले बेसहारा जरूरत मंद लोगों की समस्याओं से अवगत है।

## राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार का प्रारंभ प्रतिष्ठान की ओर से किया गया भव्य सत्कार

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** बोईसर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार को वर्ष 2023 में महाराष्ट्र राज्य पुलिस दल में उनके उल्लेखनीय और उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए महामहिम राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किए जाने पर प्रारंभ प्रतिष्ठान की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान कार्यक्रम में प्रारंभ प्रतिष्ठान की ओर से सम्मान चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पवार के सेवा, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए उनका सदैव प्रेरणादायी योगदान सराहा गया। इस गरिमामयी अवसर पर प्रारंभ प्रतिष्ठान के संस्थापक एवं नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, सरावली ग्रामपंचायत के सरपंच एवं महामंत्री आनंद प्रकाश धोडी व धीरज सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

## शिवसेना के मुंबई प्रमुख उत्तर भारतीय संगठन जयप्रकाश सिंह का मनाया गया जन्मदिन

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** शिवसेना शिंदे गट के उत्तर भारतीय संगठन, मुंबई प्रमुख जयप्रकाश सिंह का जन्मदिन आज धूमधाम से मनाया गया। शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा उनके वाकोला आराम सोसायटी रोड, सांताक्रुज पूर्व कार्यालय पर केक काटकर इस मौके पर कालीना शिवसेना विधानसभा प्रमुख दशरथ सतपाल, शाखा प्रमुख संजय तेलहोरे, कालीना उत्तर भारतीय अध्यक्ष देवेंद्र साहू, क्षत्रिय महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओपी सिंह, दिनेश सिंह, गोपाल गुप्ता, सुनील सिंह, देवेंद्र तिवारी, नरसिंह यादव, प्रथम भारतीय इंटरनेशनल शूटिंग जज पवन कुमार सिंह, इंटरनेशनल शूटिंग जज धीरज सिंह के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता तथा समर्थक उपस्थित थे।

## अग्रवाल समाज कल्याण ने पड़घा में किया अपने 24वें प्याऊ का शुभारंभ

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी तालुका के पड़घा स्थित शारदा विद्यालय एवं जूनियर कालेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए अग्रवाल समाज कल्याण ने राकेश गुप्ता के सहयोग से बनाए गए अपने 24 वें प्याऊ का शुभारंभ किया । प्याऊ का शुभारंभ करते हुए आराधना गुप्ता ने समाज द्वारा किये ऐसे कार्यों की सरहना की । यह जानकारी देते हुए समाज के अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने बताया कि अग्रवाल समाज कलयाण विभिन्न जरूरतमंद जगहों पर अभी तक 24 ठंडे पानी के प्याऊ लगा चुका है और आगे भी और प्याऊं लगाने की योजना चल रही है । उन्होंने बताया की इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे समाज के सचिव नितिन अग्रवाल, कार्यधयक्ष अनिल बंसल, कोषाध्यक्ष रजनीश अग्रवाल सहित जितेन्द्र अग्रवाल, आत्माराम डिडवानिया, आर के आर्य का सहयोग सराहनीय रहा है।

## अखिल भारतीय सफाई मजदुर कॉंग्रेस युनियन का 61 वा वर्धापन दिवस व भव्य कामगार सम्मेलन संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन का ६१ वा वर्धापन दिवस आरोग्य सेवा आयुक्तालय, आरोग्य भवन, सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल सी एस टी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भव्य कामगार सम्मेलन का आयोजन₹ राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। समारोह में प्रमुख मार्गदर्शक हसन मुश्रीफ मंत्री चिकित्सा शिक्षण व संशोधन थे। जबकि प्रमुख अतिथी डॉ.धीरज कुमार (सचिव चिकित्सा शिक्षण डॉ..अनिल भंडारी ( आयुक्त वेधकीय शिक्षण थे । वहीं विशेष अतिथी जे.जे हॉस्पिटल के अधिष्ठाता डॉ .अजय भडारवार तथा सहायक अधिष्ठाता सर जे जे हॉस्पिटल के डॉ..रणजीत माणकेश्वर,डॉ. अजयजी चंदनवाले श्रीमती. डॉ. पल्लवी सापळे (सह संचालक)श्रीमती. डॉ. वसुंधर भड (अधिष्ठाता दंत रुग्णलाय) डॉ.संजयजी सुरासे (वेधकीय अधीक्षक सर जे.जे.हॉस्पिटल) जितेंद्र सकपाळ , डॉ.भालचंद्र चिखलकर ( अधिक्षक विधकीय महाविद्यालय व. जी. टी.हॉस्पिटल) डॉ.विनायक सावर्डेकर उपस्थित थे। इस दौरान ६१ वा वर्धापन दिन₹ के अवसर पर बड़ा केक काटा गया।व प्रमुख मार्गदर्शक विशेष अतिथी महाराष्ट्र सरकार के मंत्री हसन मुश्रीफ के सौजन्य से कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया ।इस एतिहासिक वर्धापन दिवस पर महाराष्ट्र व मुंबई के सरकारी अस्पताल में सफाई कर्मचारियों के वारसदारों को जल्द से जल्द नौकरी, स्वयं के मालकी के घर का प्रश्न उसी तरह लाड पागे समिती की सिफारिशों को १२.८.१९१७५ से लागू करने की मांग की गई।

बता दें कि ३० जुलाई को मंत्रालय में महाराष्ट्र के उपमुखमंत्री अजितदादा पवार (राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के नेतृत्व में सफाई कामगारों की ऐतिहासिक बैठक हुई थी।

इस बैठक में महाराष्ट्र व मुंबई के सफाई कामगारों की प्रलंबीत समस्या को जल्द से जल्द सुलझाने की चर्चा हुई।वहीं मंत्री हसन मुश्रीफ ने वारिश दारों को नोकरी लाडपागे समिती के नियम अनुसार २५० सफाई कामगारों को भर्ती किए जाने का आश्वासन दिया।

## मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन, शिवसेना द्वारा मलंगगढ़ ग्रामीण के कामयाब विद्यार्थियों का सम्मान

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** रविवार को मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन और शिवसेना मलंगगढ़ विभाग द्वारा मलंगगढ़ ग्रामीण क्षेत्र के दसवीं और बारहवीं में कामयाब हुए विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने तथा भविष्य में आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के संस्थापक महेश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में शिवसैनिकों ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिंदे सेना के विधायक राजेश मोरे, अंबरनाथ तालुका प्रमुख चैनु जाधव, कल्याण तालुका प्रमुख महेश पाटील, मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवदास गायकवाड सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे। बारहवीं में 87 प्रतिशत से पास होने वाले आइडियल कॉलेज की छात्रा विधि कालूराम जाधव, 85 प्रतिशत गुण प्राप्त करने वाले भाल गुरुकुल स्कूल के छात्र जयेश म्हात्रे और 84 प्रतिशत गुण प्राप्त करने वाली छात्रा सुनीता राजकुमार पावशे को सम्मानित किया गया। वहीं दसवीं कक्षा में 95.60 प्रतिशत से कामयाब हुए पुंडलिक लक्ष्मण म्हात्रे स्कूल के छात्र राज उपाध्याय गुप्ता, 95.20 प्रतिशत गुण प्राप्त करने वाले प्रथमेश राजेश मोर्या और 95 प्रतिशत से कामयाब हुई प्रियांशी प्रेमदयाल बिंद्रा इन विद्यार्थियों को मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया गया।

## एमजी सिलेक्ट ने मुंबई में अपने एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी सिलेक्ट के साथ प्रस्तुत की नए जमाने की ऑटोमोटिव लक्जरी और मुंबई के वरली में अपने पहले एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। वरली के अतुर हाउस में स्थित 'रीइमेजिनिंग लक्जरी' की फिलोसॉफी पर आधारित यह एमजी सिलेक्ट एक्सपीरियंस सेंटर भारत में कार खरीदारों को सेंसोरियल अनुभव, व्यक्तिगत सेवाएँ, प्रतिष्ठित उत्पाद श्रृंखला, नए जमाने की लक्जरी, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी का मिलाप प्रदान करेगा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, हाल के वर्षों में भारत में लग्जरी की खपत तेजी से बढ़ी है। एमजी सिलेक्ट के साथ मिलकर हम कार ओनरशिप के सफर को नए सिरे से परिभाषित और उन्नत बनाकर लग्जरी कार खरीदारों के लिए एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं। भारतीय लग्जरी ऑटोमोटिव परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित करने का हमारा दृष्टिकोण हमारे डीलर पार्टनर्स के अनुरूप है और हम तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद और विशिष्ट अनुभव प्रदान करके नए मानक स्थापित करेंगे। आर्ट गैलरीज की स्पेशियल अभिव्यक्ति से प्रेरित, एमजी सिलेक्ट एक्सपीरियंस सेंटर्स को शानदार, मिट्टी के रंग और अनंत सफेद दृश्यों के साथ डिजाइन किया गया है। प्रत्येक शोरूम एक अलौकिक स्थान है जो स्पष्टता और निर्बाध प्रवाह का एहसास कराता है। विशिष्टता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जहां कम ही अधिक है, यह कार, खरीदारों को मंत्रमुग्ध कर देने वाली मूर्तिकला के एक नमूने के रूप में केंद्र में है।

एमजी सिलेक्ट मुंबई के डीलर प्रिंसिपल गौतम मोदी और निधि मोदी छेड़ा ने कहा, एमजी सिलेक्ट मुंबई ऑटोमोटिव उत्कृष्टता की एक प्रतिष्ठित अभिव्यक्ति है, जहां कालातीत डिजाइन और नए युग की लक्जरी एक साथ आते हैं। एमजी की नवाचार की विरासत और स्थिरता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता पर आधारित, यह सेंटर मुंबई के समझदार पारखी लोगों के लिए आधुनिक गतिशीलता को नए सिरे से परिभाषित करता है। हर विवरण रिफाइन्ड सौंदर्यशास्त्र, विचारशील अनुभवों और स्थायी मूल्यों को दर्शाता है। एमजी सिलेक्ट में, हम आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं, सार्थक संबंधों को बढ़ावा देते हैं और एक ऐसी विरासत तैयार करते हैं जो लालित्य, अखंडता और बेहतर भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण से परिभाषित हो।

आज वरली के अतुर हाउस में स्थित एमजी सिलेक्ट मुंबई का उद्घाटन हुआ, मुंबई का एक प्रतिष्ठित स्थल है और अब मुंबई के एकमात्र अधिकृत शोरूम के रूप में गर्व से पहचाना जाएगा। यह लक्जरी ब्रांड वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के अंत तक मुंबई सहित 13 प्रमुख शहरों में 14 केंद्रों को शुरू करेगा। एमजी साइबरस्टर - दुनिया की सबसे तेज एमजी, और एमजी एम9 - प्रेसिडेंशियल लिमोजीन, उत्साही लोगों के लिए करीब से देखने के लिए प्रदर्शित की जाएगी।

## भाजपा भिवंडी शहर जिला कार्यकारिणी ने प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र चव्हाण को दी शुभकामनाएँ

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा मुंबई मंत्रालय के सामने रायगढ़ भवन जाकर रविन्द्र चव्हाण को बधाई व शुभकामनाएँ दिये । बतादें कि हाल ही में रवींद्र चव्हाण को भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया और कार्यभार संभालने के एक महीने के भीतर ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के अवसर पर राज्य भर में 1088 स्थानों पर महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। इन महारक्तदान शिविरों के माध्यम से 78,313 बोतल रक्त एकत्रित कर एशिया बुक आफ रिकार्ड में दर्ज किया गया जिससे एक विश्व कीर्तिमान स्थापित हुआ और देवेन्द्र फडणवीस को एक अविस्मरणीय उपहार मिला। और इस सफलता में भिवंडी जिला का विशेष योगदान रहा है । भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट हर्षल प्रमोद पाटिल और भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई दी।

इस शिष्टमंडल में जिला महामंत्री राजू गजेंगी, प्रचार प्रमुख पी. डी.यादव, उत्तर भारतीय मोर्चा पदाधिकारी रामनारायण सोनी के साथ कई अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन

**मुंबई।** स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एसजीएलटीएल) ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है, जो मजबूत रेवन्यू ग्रोथ और बेहतर प्रॉफिट मार्जिन के कारण संभव हुआ है। कंपनी ने दीर्घकालिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त करने वाली रणनीतिक पहल भी की है।वित्तीय प्रदर्शन के संदर्भ में, एसजीएलटीएल ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 178 करोड़ रुपए की कुल आय दर्ज की, जो साल-दर-साल 23.6% की वृद्धि दशार्ती है। एबिटडा 35 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल 31.9% की वृद्धि दशार्ता है, और 19.5% का अच्छा एबिट्डा मार्जिन भी रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स बढ़कर 28 करोड़ रुपए हो गया, जो साल-दर-साल 39.6% की वृद्धि दशार्ता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 21 करोड़ रुपए तक पहुँच गया, जो साल-दर-साल 37.6% की वृद्धि और 11.9% का पैट मार्जिन दशार्ता है।एसजीएलटीएल ने बायोकॉन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के साथ एक लॉगटर्म एजेंसी एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित प्रमुख दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में बायोकॉन के कटर बेस को एसजीएलटीएल के निर्मित प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट संभव होगा। यह पार्टनरशिप न केवल कंपनी की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाएगी, बल्कि एसजीएलटीएल की मैनुफैक्चरिंग कैपेसिटी को बायोकॉन के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ जोड़कर हाई-ग्रोथ इंडस्ट्रियल सेगमेंट्स तक पहुँच भी खोलेगी।अपनी वैश्विक उपस्थिति को और मजबूत करते हुए, एसजीएलटीएल ने दक्षिण कैरोलिना, अमेरिका में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग इंक., की स्थापना की है, जो इंडस्ट्रियल मैनुफैक्चरिंग का एक उभरता हुआ केंद्र है। यह नई इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स एंड प्रोसेस इक्विपमेंट सेगमेंट ध्यान केंद्रित करेगी और इससे कंपनी को उत्तरी अमेरिकी बाजार में ग्राहकों के और करीब लाने, सप्लाई चैन एफिशिएंसी में सुधार लाने और विकास के नए अवसर खोलने की उम्मीद है।

## कैलिफोर्निया बादाम के साथ एक स्वस्थ रक्षाबंधन मनाएं

**मुंबई/पटना।** रक्षाबंधन हमारे त्योहारों के मौसम की शुरूआत करता है और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का उत्सव है, जिसमें बहनें भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, और भाई उन्हें जीवनभर सुरक्षा और सहयोग देने का वचन देते हैं। इस वर्ष, इस प्यार को सेहत की सौगात से और खास बनाएं ताकि आपका भाई या बहन हमेशा स्वस्थ, सफल और खुशहाल रहें।त्योहारों में अक्सर स्वादिष्ट पकवानों और मिठाइयों का आनंद लिया जाता है। हालांकि भोजन के साथ जश्न मनाना स्वाभाविक है, लेकिन संतुलित और सोच-समझकर किए गए चुनाव भी उतने ही जरूरी हैं। इस रक्षाबंधन, कैलिफोर्निया बादाम को बनाएं अपने फेस्टिव डाइट का हिस्सा और खुशियों के साथ-साथ सेहत का भी करें स्वागत।बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और लंबे समय तक सेहत बनाए रखने में मदद करते हैं। ये ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में असरदार हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

**स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
**पत्राचार कार्यालयः** मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# मिर्जापुर में बाढ़ के पानी में रील बनाते समय 2 दोस्तों की डूबकर मौत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में बाढ़ के पानी में डूबने से दो की मौत हो गई है। दोनों आपस में दोस्त थे। दोनों घर से गंगा के बाढ़ के पानी को देखने के लिए निकले थे। नहर में बाढ़ के पानी में दोनों उतर गए। तभी एक युवक ने दोनों से रील बनवाने लगा।इस दौरान गहरे पानी में चले जाने से दोनों दोस्त डूब गए।स्थानीय लोगों ने दोनों दोस्त को पानी से बाहर निकाला, तब-तक दोनों की मौत हो गई थी।

जानकारी के अनुसार, यह घटना मिजार्पुर के कछवां थाना क्षेत्र के बजरडीहा गांव की है। बताते हैं कि रविवार को प्रीतम (18) निवासी बजहा और गणेश (16) निवासी मझवा गंगा में आई बाढ़ देखने गए थे। यहां नहर भी बाढ़ के पानी से उफनाई है। दोनों दोस्त नहर में उतर गए, तभी एक व्यक्ति ने दोनों दोस्त को अपना मोबाइल देकर रील बनाने के लिए कहा,रील बनाने के दौरान दोनों डूबने लगे। शोर मचा तो आस-पास के लोग भी उन्हें बचाने के लिए दौड़े। देखते ही देखते दोनों दोस्त नहर के गहरे पानी में समा गए।जब तक ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाला, उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुट गई है। वहीं, रील बनाने के लिए मोबाइल देने वाले युवक की तलाश की जा रही है।

## सोनभद्र में नाले में बह गए बाइक सवार दो युवक

सोनभद्र में पहाड़ी नाले में बह गए 2 युवक सोनभद्र के जुगैल थाना क्षेत्र के भरहरी गांव में स्थित चकदहिया पुल (रपटा) पर परेवा नाले के तेज बहाव में बाइक समेत 2 युवक बह गए। जबकि तीसरे युवक ने समय रहते बाइक से कूदकर अपनी जान बचा ली, तीनों युवक सोनभद्र के घोरावल क्षेत्र से जुगैल घूमने जा रहे थे। लापता युवकों की पहचान घोरावल थाना क्षेत्र के भरकवाह गांव निवासी 19 वर्षीय दिनेश धोबी पुत्र लालजी धोबी और 18 वर्षीय अंकित महापात्र पुत्र इंद्रजीत महापात्र के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।जुगैल थाने के एसओ नागेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की, वहीं बाइक पर सवार अक्षय पुत्र रमेश निवासी लालगंज ने बाइक से कूदकर अपनी जान बचा ली, जिले में 24 घंटे से लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। इससे पहाड़ी नाले और नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

# कजरी के गीतों से गांव की मिट्टी की आती है भीनी भीनी खुशबू: कृपाशंकर सिंह

◆ बोले- पर्व और संगीत प्रधान देश है हमारा भारत

◆ ज्योति, अर्चना व प्रिया के कजरी गीतों में झूमे श्रोता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने रविवार की देर शाम जौनपुर शहर में आयोजित कजली व स्नेहमिलन समारोह में कहा कि सावन बस एक मौसम नहीं है।यह एक सांस्कृतिक अनुभव है। इस मौसम में गाई जाने वाली कजरी के गीतों से गांव की मिट्टी की भीनी भीनी खुशबू आती है तो साथ ही नारी स्वर की गरिमा भी झलकती है। आगे उन्होंने कहा कि हमारा भारत देश पर्व और संगीत प्रधान है। तमाम परंपराएं जो धर्म पर आधारित है, कहीं न कहीं उसमें संगीत का पुट रहा है। वर्ष के सभी महीने किसी न किसी प्रकार की संगीत पर परंपरा से जुड़े रहे हैं। हमारे वर्ष का पहला महीना चैत है। उसमें चैता गया जाता है चैता बैसाख व जेठ तक चलता है, उसके बाद आषाढ़, सावन व भादो में कजरी की प्रधानता रहती है। इसी समय सावन में बरसात की फुहारे पृथ्वी पर पड़ती है और बादल की गर्जना, बिजली की चमक, प्रकृति की हरीतिमा के साथ ही मोरों की सुंदर बोली को तमाम कवियों ने कजरी के गायन की परंपरा प्रारंभ की जो एक स्वस्थ भारतीय संगीत परंपरा के रूप में आज तक चली आ रही है। इसके बाद भोजपुरी गायक रविन्द्र सिंह ज्योति, अर्चना तिवारी एवं प्रिया सोनी के कजली के गीतों पर झूमते रहे श्रोता। इसके पूर्व घंटो आये हुए लोगो ने कृपाशंकर सिंह को जन्मदिन की पुष्पगुच्छ देकर बधाई दिए।

इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, पूर्व सांसद कुँवर हरिवंश सिंह, विधायक विनय सोनी, पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर, विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशु, विद्यासागर सोनकर, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, डॉ हरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, सुशील मिश्र, मुरली पाल, शशि मोहन सिंह, रतनाकर सिंह, रविन्द्र सिंह, अजीत सिंह, शशि सिंह, रामदयाल द्विवेदी, सुनील यादव मम्मन, अजय सिंह, सर्वेश सिंह, श्यामराज सिंह, विमल सेठ, राहुल सिंह, प्रदीप सिंह सफायर, पीयूष गुप्ता, सतेंद्र सिंह फंटू, धनंजय सिंह, संदीप सरोज, सजल सिंह, वीरेंद्र सिंह, आसुतोष सिंह, राजकुमार सिंह, राजेश सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह, संदीप सिंह सहित हजारो लोग रहे।

# जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया जनपद के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा 4 अगस्त 2025 को जनपद के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करना था। प्राथमिक विद्यालय सरैंया कठार (विकास खंड मड़ियाहूं) के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापिका श्रीमती बीनू सिंह बाल्य देखभाल अवकाश पर थीं। सहायक अध्यापक राघवेंद्र सिंह एवं श्रीमती मीरा यादव बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिनका निरीक्षण तिथि का वेतन बीएसए द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया। कुल नामांकित 67 छात्रों में से मात्र 10 छात्र उपस्थित थे, जबकि भोजन पंजिका में गत 3 कार्य दिवसों में 45, 47, 43 छात्रों की उपस्थिति दर्शाई गई थी। विद्यालय में रंगाई-पुताई न पाए जाने पर प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

पं. जवाहरलाल नेहरू उच्च प्राथमिक विद्यालय कटाहित खास के निरीक्षण के दौरान परिचारक बृजेश कुमार को छोड़कर सभी शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक नागेंद्र प्रताप एवं अन्य शिक्षकों अशोक कुमार, उदयराज एवं विनोद कुमार का वेतन अग्रिम आदेश तक अवरुद्ध करते हुए शो-कॉज नोटिस जारी किया गया।प्राथमिक विद्यालय कटाहित खास (विकासखंड मछलीशहर) के निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक महेंद्र प्रसाद अनुपस्थित पाए गए। जिनका वेतन रोका गया। नामांकित 111 में से मात्र 6 छात्र उपस्थित थे। कंपोजिट ग्रांट रु0 50,000 पूर्ण खर्च की गई परंतु व्यय का अद्यतन विवरण उपलब्ध नहीं था। विद्यालय की दीवारों पर रंगाई-पुताई का अभाव था। प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरण सहित भौतिक कार्यों की रिपोर्ट एक सप्ताह में देने हेतु निर्देशित किया गया। कंपोजिट विद्यालय भुवा खुर्द (विकासखंड सिकरारा) के निरीक्षण के दौरान विद्यालय बंद पाया गया। पास की दुकान पर मौजूद लोगों द्वारा बताया गया कि विद्यालय दोपहर 1:00 बजे ही बंद कर दिया गया था।

बीएसए द्वारा विद्यालय के समस्त कर्मचारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक अदेय कर दिया गया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने निरीक्षण के उपरांत कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु अनुशासन और उत्तरदायित्व आवश्यक हैं। अनियमितता बरतने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

# अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य दिवस पर आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय में बीकॉम ऑनर्स एवं एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस मनाया गया। उक्त के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगोली, पोस्टर, विज्ञापन, क्विज, वाद विवाद, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर विभाग के आचार्य एवं भारतीय वाणिज्य संगठन के पूर्व अधिशासी उपाध्यक्ष डॉ. मानस पांडे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस व्यापार नवाचार रोजगार के माध्यम से अर्थव्यवस्था एवं रोजगार के जीवन पर वाणिज्य के प्रभाव को स्वीकार करने का दिन है। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने वैश्विक स्तर पर भारत के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में भारत की महती सहभागिता के कारण हर देश आज भारत से व्यापार समझौते के लिए उत्सुक हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में खुशी यादव ने प्रथम, अनुष्का प्रजापति ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रूपाली एवं उन्नति एवं द्वितीय स्थान पर सृष्टि रही। विज्ञापन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कौशिकी एवं नबा रहे एवं द्वितीय स्थान पर शिवम एवं आदित्य रहे। फ्लावर डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विजयांश बैंकर एवं द्वितीय स्थान देवांश श्रीवास्तव को मिला। बिलट्ज क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्पिता, रिया एवं उज्जवला को मिला। द्वितीय स्थान पर आदित्य, शिवम एवं हर्ष रहे। भाषण प्रतियोगिता में देवांश को प्रथम एवं फरहान को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल के साथ विभाग के सभी सदस्य जिसमे डॉ. सुशील, डॉ.अंजनी मिश्र, डा. निशा, प्रिंस एवं नितिन चौहान उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश उपाध्याय एवं कार्यक्रम का संचालन दीपांजलि गुप्ता ने किया।

# ऐतिहासिक श्रीगौरीशंकर धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के ऐतिहासिक मंदिर शक्तिपीठ श्रीगौरीशंकर धाम सुजानगंज में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर परिसर में पंक्तिबद्ध होकर भगवान भोलेनाथ जी को जलाभिषेक कर दर्शन पूजन कर आशिर्वाद प्राप्त कर सुख समृद्ध की कामना कर रहे थे।रात से ही पूरा दिन भगवान इंद्रदेव भी बाबा भोलेनाथ जी को मानो जलाभिषेक कर रहे हो। हर हर महादेव के जयकारो से पूरा क्षेत्र शिवभक्त मय बना हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी बदलापुर विवेक कुमार सिंह, थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह सहित पुलिस फोर्स चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रही।साफ-सफाई की व्यवस्था में ब्लॉक के सफाई कर्मचारी लगे रहे। खंड विकास अधिकारी राकेश कुमार मिश्र ब्लॉक कर्मचारी के साथ मौजूद रहे। मंदिर सचिव सुधीर कुमार त्रिपाठी की देखरेख में मंदिर समिति के पदाधिकारियो द्वारा श्रद्धालुओ को दर्शन पूजन कराया जा रहा था।मंदिर परिसर में शिव भक्तो द्वारा रुद्राभिषेक भी कराया जा रहा था। शिव भक्ति गीतो पर श्रद्धालु झूमते रहे।

# भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, जिम्मेदार विभाग बेखबर

## जफराबाद मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात ठप घंटों से सड़क जाम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में हो रही लगातार भारी बारिश ने जहां सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। वहीं दूसरी ओर जौनपुर-जफराबाद मुख्य मार्ग पर पेड़ गिरने से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लाइनबाजार थाना क्षेत्र स्थित टीडी लॉ कॉलेज के पास, पीली कोठी के सामने एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया है। यह मार्ग अत्यंत व्यस्त है और जफराबाद, केराकत, गाजीपुर एवं वाराणसी की ओर जाने वाले हजारों वाहन इसी रास्ते से गुजरते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घंटों बीत जाने के बाद भी वन विभाग या जिला प्रशासन के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे यह प्रतीत होता है कि संबंधित विभागों को आमजन की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।त्रिलोचन महादेव और वाराणसी की ओर जाने वाले यात्रियों को भी इस मार्ग बाधित होने के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही से लोगों की जान-माल की सुरक्षा प्रभावित न हो।

# फतेहगंज बाजार में भीषण सड़क हादसा, युवक गंभीर रूप से घायल

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फतेहगंज बाजार के पास आज शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक 25 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का नाम जयचंद सोनकर है, जो जौनपुर से मछलीशहर की तरफ जा रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फतेहगंज बाजार के पास जयचंद ने अचानक अपनी गाड़ी जौनपुर की तरफ मोड़ दी, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जयचंद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही बक्शा थाना अध्यक्ष तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तुरंत इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी। जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घायल जयचंद की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है।इस तरह की घटना से हमें एक बार फिर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की याद आती है। सुरक्षित रहने के लिए हमेशा सावधानी बरतें।

# लोक परंपरा और संस्कृति हमारी विरासत: डॉ.अंजना सिंह

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिंदू भगवा वाहिनी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अंजना सिंह जी ने हरियाली तीज महोत्सव का कार्यक्रम लोहिया पार्क में सैकड़ो महिलाओं के साथ बहुत भव्य रूप से मनाया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.गुंजन पटेल एम बीबीएसएमडी रही। कार्यक्रम की शुरूआत माता पार्वती और शिव जी की फोटो पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।कार्यक्रम में महिलाओं ने जमकर नृत्य किया कजरी गीतों का आनंद उठाया और बहुत प्रकार के खेलों का भी आनंद लिया। डा.अंजना सिंह ने कहा कि कजरी हमारी लोक परंपरा है ये लुप्त हो रही है इसलिए हम सबको मिलकर अपनी परंपराओं को फिर से जागृत करने के लिए प्रयास करना चाहिए। डॉ.गुंजन पटेल ने कहा कि आज समाज में ऐसे सांस्कृतिक और पारंपरिक कार्यक्रम आजकल देखने को नहीं मिलते हैं, और इतनी भारी संख्या में एक मंच पर महिलाओं को जोड़ना काबिले तारीफ, सराहनीय और सुंदर है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉक्टर सुष्मिता सिंह रेडियोलॉजिस्ट, श्रीमती नीलम सिंह डायरेक्टर होली चाइल्ड स्कूल आदि को अंजना सिंह ने सम्मानित किया और आए हुए सभी अतिथियों और सभी मातृ शक्तियों को प्रकृति सुरक्षा की दृष्टि से एक-एक पेड़ उपहार स्वरूप दिया गया। इस अवसर पर संगठन की सैकड़ों मातृ शक्तियां उपस्थिति रही।

# मंगलवार को सुबह चार बजे से रात्रि दस बजे तक तिराहे से इटहरा तक प्रतापगढ़ रोड रहेगा सीज

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को शक्तिपीठ दौलतिया हनुमान मंदिर पर लगने वाले बुढ़वा मंगल मेले को लेकर थाना परिसर में थाना प्रभारी के.के सिंह और क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ की गई। बैठक में सड़क से दूर दुकानों को लगाने, निकलने वाले डीजे व दशार्नार्थ झांकियों की ऊंचाई 12 फीट और चौड़ाई 10 फीट होने, महिलाओं को आभूषण पहनकर न आने की सलाह दी गई। बुढ़वा मंगल पर होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए डेढ़ सेक्शन पीएसी जावान, तीन थाने के थाना प्रभारी, दो निरीक्षक, 32 सिपाही, पांच ट्राफिक पुलिस सहित भारी सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर सहित मेले में सिविल पुलिस, फायर ब्रिगेड टीम व पुलिस व्यवस्था पुख्ता इंतजाम रहेंगे। प्रतापगढ़ मार्ग इटहरा बॉर्डर तक यातायात को सुगम बनाने के लिए बेरीकेटिंग कर उन्हें सील कर दिया जायेगा। बड़े वाहनों का रूट डायवर्जन रहेगा। प्रयागराज से जौनपुर जाने वाली चार पहिया वाहनों को मछलीशहर रोड, सतहरिया से होते जौनपुर निकल जाएंगी। जौनपुर से प्रयागराज से वाहन वाया प्रतापगढ़ प्रयागराज जायेंगी। दूसरा सतहरिया, सरोखनपुर से प्रयागराज निकल जायेगी। प्रतापगढ़ रोड पर जोड़ने वाले संपर्क मार्ग ईटहरा बॉर्डर, सटवां कटरा चुंगी, राम चौकी, भैरोपुर समेत मंदिर परिसर तक जोड़ने वाले मार्गों को मंगलवार 4:00 बजे भोर से लेकर रात्रि 10:00 तक चार पहिया और दो पहिया वाहनों की नो एंट्री रहेगी। ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र सिंह फंटू ने कहा कि मेले में महिलाओं की भीड़ अधिक होती है इसलिए डीजे कॉम्पटीशन पर प्रतिबंध किया जाना चाहिए। थानाध्यक्ष ने इस पर सहमति जताई। इस अवसर पर चेयरमैन कपिल मुनि, पूर्व चेयरमैन शिव गोविंद साहू, मेला महासमिति के अध्यक्ष आलोक गुप्ता पिंटू, सदर तहसीमुल हक बन्ने, रेयाज अहमद राजकुमार उमरवैश्य, राजीव गुप्ता, दीपू मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

# तीन चरणों में आयोजित किया जायेगा हर घर तिरंगा कार्यक्रम: जिलाधिकारी

## जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्यौहारों, कानून व्यवस्था, हर घर तिरंगा और ड्रोन परिचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में की प्रेस वार्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्यौहारों, कानून व्यवस्था, हर घर तिरंगा और ड्रोन परिचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में प्रेस वार्ता की गयी। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया जायेगा, जिसमें 02 अगस्त से 08 अगस्त तक विद्यालयो में रंगोली, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा स्वरुप राखी बनाने की कार्यशाला सहित विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की जाएगी, लोगो को स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाईन में उनके योगदान से अवगत कराया जाएगा। 09 अगस्त से 12 अगस्त तक तिरंगा महोत्सव व मेला का आयोजन जनसहभागिता के साथ किया जाएगा साथ ही लोग तिरंगा विद सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड करेंगे। आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक सरकारी व निजी कार्यालयों, संस्थानों और लोगों के घरों में तिरंगा प्रदर्शित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि इस दौरान सभी लोग सम्मान के साथ अपने अपने घरों पर तिरंगा लगाए।

14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकली जाएगी जिसमें स्कूल, कॉलेजों व अन्य संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा विभाजन के स्मृतियों को याद करते हुए मौन यात्रा निकाली जाएगी।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य रूप से सभी सरकारी कार्यालयों, निजी कार्यालयों, पंचायत भवनों, सहकारी समितियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराया जाएगा तथा राष्ट्रगान गाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का टैग लाइन है ''मिट गये जाने कितने इसके मान में, हर घर तिरंगा फहरायेंगे उनकी शान में''।

जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देश कि क्रम में जनपद में रक्षाबंधन के अवसर पर आगामी 08 अगस्त की सुबह 06 बजे से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक यू0पी0एस0आर0टी0सी0 की बसों व नगरीय बस सेवा की बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की जायेगी।

16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व मनाया जाएगा, इसके दृष्टिगत मन्दिरों में साफ-सफाई, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिये गये है। शोभायात्रा के लिए आयोजक स्थानीय प्रशासन से अनुमति अवश्य लें। यह सुनिश्चित किया जाए कि माइक, लाउडस्पीकरों की आवाज निर्धारित मानक से अधिक न हो।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से बताया कि जनपद में ड्रोन से दहशत फैलाने वालों व अनधिकृत रूप से ड्रोन का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुलिस विभाग के द्वारा थानावार सूची तैयार करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन का परिचालन बिना अनुमति के नही होनी चाहिए, अन्यथा की दशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अफवाहों के कारण किसी भी प्रकार कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय रहे। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से लोगो को सही सूचनाएं दी जाए। किसी प्रकार की पैनिक अथवा अफवाह प्रसार की स्थिति न बने।

जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया है कि मानक के अनुरूप ही स्कूलों की पेयरिंग की जाए। बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारीगण और सम्मानित पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी. कॉलेज
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र: 2025-2026
बी.ए.- हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत मध्य. इतिहास, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
बी.एस.सी.- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित
एम.ए.- हिन्दी, उर्दू, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र
एम.एस.सी.- प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान
बी. कॉम-
उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास संगीत, गायन, नृत्य, पेंटिंग आदि के क्षेत्र में विशेष कौशल/योग्यता है।
खेल कोटा के अंतर्गत उन छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है जिनके पास विभिन्न खेलों में विशेष कौशल/योग्यता है।
समस्त बोर्ड के विद्यालय/कालेज के टॉपर छात्र/छात्राओं को मुफ्त प्रवेश प्रदान कर रहा है।
तालीमाबाद, सबरहद, शाहगंज-जौनपुर
9236926850 9936764005 9795585838
प्रबन्धक- नासिर जमाल शेख प्राचार्य- डा. तबरेज आलम

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र- 2025- 2026
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
बी.ए. हिन्दी, भूगोल प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र गृह विज्ञान, समाज शास्त्र, उर्दू
प्रबंधक- सुरेन्द्र प्रताप यादव 9956705411, 8009766617
प्रतापनगर बरंगी पोस्ट मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर (उ0प्र0) 222139

नि:शुल्क जाँच शिविर
गुरुवार 14 अगस्त 2025
प्रातः 10 बजे से सायं 03 बजे तक
शुगर की जाँच • HbA1c की जाँच • हड्डी की जाँच (BMD) • नस की जाँच (Neuropathy) • फेफड़ों की जाँच (Spirometry) • यूरिक एसिड • कोलेस्ट्रॉल की जाँच • थायराइड की जाँच
डा. शारिक नदीम M.B.B.S., MD फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार M.B.B.S., M.I.M.A जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद B.U.M.S.CCH (Indore) N.D.E.P.C.
Helpline 6307493268
नोबल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आज़मगढ़ रोड, निकट, सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पंचहटियाँ, जौनपुर-222001

## सावन की अंतिम सोमवारी को शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अनुमंडल मुख्यालय के रामेश्वर धाम शिव मंदिर परिसर में सावन की अंतिम सोमवारी को भोले बाबा सेवा समिति के तत्वाधान में जयप्रकाश सिंह व धनंजय सिंह के आयोजन व डॉ. त्रिपुरारी शरण व अजय कुमार आदि ग्रामीणों के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पुड़ी बुंदिया व सब्जी को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। भंडारे में प्रसाद पाने वाले भक्तों की लंबी कतार लग गई थी। भंडारे में शामिल समिति के सदस्य एक-एक करके सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण कर रहे थे। वहीं रामेश्वर धाम शिव मंदिर में अंतिम सोमवारी को शिव का जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ लगी थी। मौके पर चंदन बाबा, भुटकुन सिंह, मोड़ा सिंह, अशोक सिंह व सोनू कुमार, उपस्थित थे।

## अंधेरी में हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से छात्रों को मुफ्त नोटबुक का वितरण

मुंबई। अंधेरी पूर्व के मारुति हाई स्कूल में हिंदी भाषी विकास परिषद द्वारा पी एस फाउंडेशन की अध्यक्षा स्वीकृति शर्मा के जन्मदिन समारोह के परिप्रेक्ष्य में स्कूली बच्चों को मुफ्त में नोटबुक का वितरण किया। खास बात यह है कि स्वीकृति शर्मा का जन्मदिन स्कूली बच्चों द्वारा अनोखे तरीके से मनाया गया। समारोह में प्रमुख अतिथि पी एस फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही सच्ची ताकत है। यदि विद्यार्थियों को योग्य संसाधन और सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। आज के बच्चे कल के भारत के भविष्य हैं। इस अवसर पर हिंदी भाषी विकास परिषद की ओर से स्वीकृति शर्मा की उत्कृष्ट कार्यो की प्रशंसा की समारोह में प्रमुख रूप से हिंदी भाषी विकास परिषद के संस्थापक अध्यक्ष उमेश उपाध्याय, परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट संदीप शुक्ला, तालुका अध्यक्ष अशोक दुबे , संदीप चौबे, पुष्पा त्रिपाठी , सौरभ उपाध्याय, सेंडी रावत सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और अभिभावक उपस्थित थे।

## बारिश से ढही कच्ची दीवार, मलबे में दबकर सगी बहनों की मौत

**सीतापुर(उत्तरशक्ति)।** यूपी के सीतापुर में भारी बारिश के बीच सोमवार की सुबह करीब 4.00 बजे एक मकान की कच्ची दीवार ढह गई। मलबे में दबकर नाना और दो पोती घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से तीनों अस्पताल पहुंचाया। वहां दोनों बहनों की मौत हो गई। जबकि, नाना की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना सिधौली इलाके के खैरंदेशनगर ग्रंट गांव की है। गांव निवासी चांदनी (14), शिवांशी (12) और रामपाल (60) घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहे थे। इसी बीच मूसलाधार बारिश से घर की कच्ची दीवार ढह गई। इसके नीचे तीनों दब गए। तीनों को गंभीर हालत में सीएचसी, सिधौली में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने चांदनी और शिवांशी को मृत घोषित कर दिया।

रामपाल को भी गंभीर चोट आई है। वह अपने कमर से नीचे का हिस्सा उठा नहीं पा रहे हैं। चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर बलवंत शाही ने बताया कि सुबह करीब 4.00 बजे घटना की सूचना मिली। तीनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में सगी बहनों की मौत हो गई। जबकि, रामपाल को जिला अस्पताल भेजा गया है।

चांदनी और शिवांशी अपने नाना के साथ छप्पर के नीचे सो रही थीं। तभी यह हादसा हुआ। एक ही परिवार की दो बच्चियों की मौत से परिजन बेसुध हैं। नाना रामपाल ने बताया कि दीवार काफी पुरानी हो गई थी। बारिश में गिर गई, इसी वजह से हादसा हुआ। परिजनों ने बताया कि चांदनी कक्षा पांच और शिवांशी कक्षा तीन में पढ़ती थीं। दोनों ही पढ़ने में काफी तेज थीं। गांव में भी सबकी लाडली थीं। उनकी मौत से सब स्तब्ध हैं।

सूत्रों के अनुसार घटना की जानकारी नायब तहसीलदार को पुलिस ने करीब सुबह 4.00 बजे ही दे दी थी। हालांकि करीब चार घंटे तक कोई भी राजस्वकर्मी उनके घर नहीं पहुंचा। इस पर पुलिस ने दोबारा फोन कर उन्हें मौका मुआयना करने को कहा। इसके बाद नायब तहसीलदार सत्येंद्र पाल सिंह व क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे। राजस्वकर्मियों ने रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी है। रामपाल ने बताया कि उन्होंने 25 वर्ष पूर्व अपनी बेटी का विवाह प्रमोद से किया था। उनको इकलौती बेटी है तो सभी उनके साथ ही गांव में रहते हैं। चांदनी और शिवांशी कुल छह भाई बहन थे। इसमें एक बड़ी बहन का विवाह हो गया है। दो छोटी बहनें व एक भाई है। घर में एक पक्का कमरा बना है। बाहर की ओर कच्ची दीवार के सहारे छप्पर डाल रखा था। बारिश में दीवार के साथ छप्पर भी गिर गया।

## ट्रेलर की टक्कर से मिजार्पुर के खलासी की मौत

बिंद्राबाजार। थाना गंभीरपुर के रानीपुर रजमो बाईपास स्थित उजाला ढाबा के सामने बीती रात करीब डेढ़ बजे सड़क हादसे में सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। ट्रक के खलासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। मृत खलासी की पहचान मिजार्पुर के चक ताकिया नारायणपुर निवासी अवधेश पटेल के रूप में हुई है। वहीं, घायल चालक दिनेश चौबे देवरिया के भाटपार रानी निवासी के रूप में हुई, उसे हल्की चोटें आई हैं।

हादसे के बाद ट्रेलर का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए, जबकि ट्रेलर मालिक सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच गए। उधर गंभीरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, खड़ी ट्रक बरहज से सोनभद्र गिट्टी लाने के लिए जा रही थी, जबकि ट्रेलर आजमगढ़ से वाराणसी की ओर जा रहा था। दोनों वाहन उस समय खाली थे।

## नालासोपारा में श्रावण मास के अंतिम दिन पर भंडारा एवं रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

**-प्रेम चंद मिश्रा**

**नालासोपारा (उत्तरशक्ति)।** प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नालासोपारा पूर्व के दूबे इस्टेट परिवार एवं दुबे इस्टेट परिसर के सभी दुकानदारों द्वारा अमित ओमप्रकाश दुबे के नेतृत्व में उत्तर भारतीय पंचांग के अनुसार श्रावण मास के अंतिम रविवार अर्थात 3 अगस्त की सायंकाल से सोमवार 4 अगस्त की सुबह तक तुंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भजन संध्या एवं भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया ' सायं ठीक 6 बजे से रामधुन अर्थात महामंत्र ( हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ) का गायन संपूर्ण साज बाज के साथ शुरू हुआ जो कि रात 9 बजे तक अखंडित चलता रहा ' इसके पश्चात भजन गायन का कार्यक्रम आरम्भ हुआ '

देर रात और सुबह होते होते मंदिर परिसर में हजारों भक्तों की भीड़ एकत्रित हुई ' कार्यक्रम में देश की विभिन्न भाषाओं में भजन गायन चलता रहा जो कि सुबह 8 बजे तक चला ' मुंबई तथा आसपास का परिसर एवं देशभर के म्यूजिक इंडस्ट्री के करीब 50/100/125/150/200 से ज्यादा कलाकारों ने स्वेच्छा से इस कार्यक्रम में सहभाग लेकर भगवान भोलेनाथ के चरणों में अपनी सेवा अर्पित की ' कार्यक्रम में आद्या शंकराचार्य जगद्गुरु त्रिकाल भवन्ता सरस्वती जी माता और सत समाज सदमार्गी अखाड़ा के श्री सुबोधानंद जी महाराज, राजपुताना परिवार के संस्थापक ददन सिंह आदि मान्यवर एवं सुरेश आनंद ओझा, शिवेश मिश्रा, संजय तिवारी सफल, मुकेश त्रिपाठी, दीपक सुहाना, अंकिता दुबे, रागिनी प्रजापति, प्रकाश वैश्य, रामानुज पाठक, सुशील कनोजिया आदि सुप्रसिद्ध कलाकार उपस्थित हुए ' अमित ओमप्रकाश दुबे के साथ सभी मान्यवरों ने, दुबे इस्टेट के सभी दुकानदारों ने तथा म्यूजिक इंडस्ट्री के सभी कलाकारों ने सपरिवार भगवान तुंगारेश्वर महादेव जी का जलाभिषेक किया । इसके पश्चात अमित दुबे ने सभी मान्यवरों और भक्तों एवं कलाकारों का धन्यवाद ज्ञापन एवं यथोचित सम्मान किया।

## अवादा ग्रुप ने 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए बिहार सरकार के साथ 5,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए

**मुंबई।** भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अवादा ग्रुप ने बिहार सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत पूरे राज्य में 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का विकास किया जाएगा।

इस एमओयू के अनुसार, अवादा कुल 1 गीगावाट क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसमें ग्राउंड-माउंटेड, फ्लोटिंग सोलर, सामुदायिक सौर संयंत्र, बैटरी भंडारण परियोजना आदि शामिल हैं। बिहार सरकार कंपनी को राज्य के संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमोदन या मंजूरी आदि प्राप्त करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और पीएसपी परियोजनाओं पर नई नीति के शुभारंभ के अवसर पर माननीय ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव और माननीय उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा की उपस्थिति में बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डैवलपमेंट एजेंसी और अवादा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशोर नायर के बीच करार पर दस्तखत किए गए। इस शुभारंभ पर अवादा समूह के चेयरमैन विनीत मित्तल ने बिहार सरकार और ऊर्जा विभाग को ऐसी नीति लाने के लिए बधाई दी, जो सर्वोत्तम नवीकरणीय ऊर्जा नीतियों में से एक है और राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ज्यादा निवेश को आकर्षित करेगी।

अवादा एनर्जी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशोर नायर ने कहा, अवादा में, हम क्षेत्रीय विकास और प्रगति में योगदान देते हुए भारत के ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार सरकार के साथ हमारी साझेदारी ग्राउंड-माउंटेड, फ्लोटिंग सोलर, सामुदायिक सौर संयंत्र, बैटरी भंडारण परियोजना आदि के माध्यम से राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के अलावा, यह निवेश रोजगार के अवसर पैदा करेगा, सम्बद्ध उद्योगों को आकर्षित करेगा और स्थायी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देगा। हमें बिहार के हरित और समृद्ध भविष्य के दृष्टिकोण का समर्थन करने पर गर्व है।

## भाजपा जनसंपर्क कार्यालय का हुआ उद्घाटन, सेवा और संचार के एक नए दौर की शुरूआत

**-तारकेश्वर पांडे**

**मीरा भायंदर (उत्तर शक्ति)।** मीरा रोड काशीमीरा अंतर्गत मीरा गावठन महाजन वाड़ी में स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यालय का उद्घाटन के साथ-साथ छतरी वितरण का भी कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मीडिया से वातार्लाप में विधायक ने कहा कि,

आज, हमारे भाजपा काशीमीरा मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे, और श्रीमती कविता भोये, के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन मेरे तत्वावधान में, तथा कार्यकताओं की सहज भागीदारी के साथ एक सभ्य वातावरण में हुआ।

इस कार्यक्रम में, जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, माजी महापौर श्रीमती ज्योत्सना हसनाले, माजी नगरसेवक सचिन म्हात्रे, जिला संगठन महामंत्री अनिल भोसले, माजी नगर सेवक श्रीमती मीरा देवी यादव, के साथ-साथ भाजपा पदाधिकारी, महिला एवं युवा कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के नागरिकों ने बड़ी भारी संख्या में उपस्थित थे। इस नए कार्यालय के माध्यम से स्थानीय लोगों से सीधा संवाद करने, उनकी समस्याओं को समझने तथा तत्काल मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करने की सुविधा निर्मित हुई है। कार्यालय नहीं हम इसको मंदिर कहेंगे। भाजपा के आदर्श वाक्य सेवा ही एकमात्र मार्ग है, इसके साथ, मुझे विश्वास है कि यह जनसंपर्क कार्यालय भविष्य में समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा। आगे उन्होंने जनता एवं पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित कर अपील करते हुए कहा कि, आप सभी मेरा साथ देंगे तो संगठन और मजबूत बनेगी। कार्यकताओं में पार्टी की प्रति उत्साह और भारी भीड़ देखते हुए, विधायक नरेंद्र मेहता ने कहाकि मैं अनिल ताटे मंडल अध्यक्ष, और श्रीमती कविता भोये को इस रचनात्मक पहल के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ, और उनके सामाजिक कार्यों में निरंतर सफलता की कामना करता हूँ। साथ ही कार्यक्रम के उपरांत महिला मंडल माअध्यक्षा श्रीमती कविता भोये ने इस कार्यक्रम में आए हुए सभी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को आभार व्यक्त किया।

## फैबइंडिया ने लॉन्च किया अपना रक्षाबंधन 2025 कलेक्शन

पटना(उत्तरशक्ति)। फैबइंडिया ने रक्षाबंधन 2025 के अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह खास कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का सुंदर संगम है। कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल (एचएलएस) श्रेणियों में उपलब्ध यह कलेक्शन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता, प्रेम और गरिमा के साथ दशार्ता है। इस वर्ष का कलेक्शन एक आकर्षक गुलाबी रंग-पैलेट पर आधारित है, जिसमें हल्का गुलाबी, गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। हर डिजाइन में पारंपरिक खड़ी प्रिंटिंग्ऱ और मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी जैसी कारीगरी का उपयोग किया गया है, जो परिधानों को एक खास फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन राखी में गिफ्टिंग के इरादे से भी एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें ऐसे कपड़े और खास गिफि्टंग सेट शामिल हैं जो प्यार और अपनापन दिखाते हैं। चाहे पूरा सेट हो या कोई एक खास पीस, ये आपके अपनों के लिए एक यादगार तोहफा होगा।

## रोहियांव निवासी स्वामीनाथ मिश्रा का दु:खद निधन

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर, गांव रोहियांव के निवासी स्वामी नाथ मिश्र उम्र 67 वर्ष के आयु में दिनांक 4 अगस्त 2025 दिन सोमवार को प्रातः 5 बजे वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में अंतिम सांस ली। पंडित स्वामीनाथ मिश्रा एक मिलनसार सरल सौम्य स्वभाव और तेजतर्रार और दृढ़ संकल्प स्वभाव के व्यक्ति थे । उनके निधन पर गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

बताया जाता है उनका अंतिम संस्कार झुंसी प्रयागराज घाट पर उनके पुत्र पिंटू मिश्रा ने मुखाग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया। जिसमे नाती अंश मिश्रा पोती रिया मिश्रा, महक, चचेरे भाई विजय चंद मिश्रा, भतिजा आसू मिश्रा, प्रिंश मिश्रा, चचेरे बड़े भ्राता रामलखन मिश्रा, बब्लू मिश्रा, विनय कुमार मिश्रा , ओमप्रकाश मिश्र, अशोक मिश्रा, समाजसेवी लालमणि गौतम ( कल्लू ) सहित गांव के कई सौ लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

बता दें दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के चचेरे बड़े भाई थे। स्वामी नाथ मिश्र ने नाती, पोते भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, फूल चंद मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा, रमापति मिश्रा, सभापति मिश्रा, योगेश मिश्रा (बंटू), सींटू मिश्रा सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक प्रकट किया। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को ईश्वर शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## बारिश से फसलों को मिला जीवनदान खुशी से खिल उठे किसानों के चेहरे

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मौसम के मिजाज में आये अचानक बदलाव का असर देखने लगा है। सुबह में हल्की व दोपहर में झमाझम बारिश से माहौल पूरी तरह से खुशनुमा हो गया है। अगले दो दिनों से इसी तरह की बारिश हो रही है। बारिश से एक तरफ जहां किसानों को बड़ी राहत मिली है और उनके द्वारा खेतों में लगायी फसलों में हरियाली लौटी है तो दूसरी तरफ आम लोगों को गर्मी से राहत मिली है। धान के खेती करने वाले किसानों के लिए यह बारिश वरदान से कम नहीं है। पानी नहीं होने के कारण खेतों में दरार पड़ गये थे। फसलें सुख रही थी। किसान सिंचाई भी अपने स्तर से कर रहे थे, लेकिन उसका कोई खास असर नहीं दिख रहा था। बारिश होने से खेतों में नमी देखी जा रही है। हालांकि बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलजमाव हो गया है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के रहा. उधर, बारिश के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। मानसून का प्रभाव इस वर्ष बेहद तीव्र रूप में देखा जा रहा है। सोमवार को जारी की गयी मासिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, कृषि विभाग के वर्षा मापक यंत्र के अनुसार क्षेत्र में अब तक कुल 806.90 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। यह सामान्य औसत वर्षा 308.20 मिमी से 90.30 प्रतिशत अधिक है। जो जलवायु परिवर्तन और मानसून की अस्थिर प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत देता है। वर्षा मुख्य रूप से मई, जून और जुलाई के महीनों में हुई, किंतु अगस्त की शुरूआत के केवल तीन दिनों में भी वर्षा का सिलसिला लगातार जारी है। खेतों में अत्याधिक जल जमाव से फसलों को बचाने की सलाह कृषि विभाग द्वारा दी जा रही है। रिपोर्ट में चेतावनी देते हुए कहा गया है कि यदि यही वर्षा दर बना रहा तो अगले कुछ दिनों में नीचले क्षेत्रों में खेत की फैसले बर्बाद भी हो सकती है।

## तकनीक, जनभागीदारी और हरित सोच के साथ कचरा प्रबंधन में गोवा बना देश का स्वर्णिम उदाहरण

**गोवा।** जब भी गोवा का नाम लिया जाता है, तो जेहन में सुनहरे समुद्र तट, बेफिक्र जीवनशैली और रंगीन संस्कृति की तस्वीरें उभरती हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में गोवा ने खुद को देश के सबसे स्वच्छ और कुशल कचरा प्रबंधन वाले राज्यों में बदल दिया है। सिर्फ.एक दशक के भीतर, राज्य ने कचरा प्रबंधन के लिए मजबूत और आधुनिक ढांचा खड़ा किया है। सालिगांव का इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, जो कभी 100 टन प्रतिदिन (ळढऊ) की क्षमता के साथ शुरू हुआ था, आज 250 ळढऊ की क्षमता के साथ टिकाऊ तरीके से संचालित हो रहा है। वहीं, फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित दक्षिण गोवा के काकोरा संयंत्र में 100 ळढऊ कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है और प्रतिदिन 8,000 क्यूबिक मीटर बायोगैस उत्पन्न होता है, जिसे स्वच्छ बिजली में बदला जाता है। कचरा प्रबंधन सिर्फ मशीनों और बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, यह मानसिकता से जुड़ा होता है। गोवा की राजधानी पणजी में बिन-फ्री कैंपेन इसकी बेहतरीन मिसाल है। यहां 120 से अधिक हाउसिंग कॉलोनियां गीले कचरे को कंपोस्ट कर रही हैं और 2,464 टन गैर-पुनः उपयोगी कचरा सीमेंट कारखानों में भेजा जा रहा है। इससे भी आगे, पणजी में सूखे कचरे को 16 श्रेणियों में अलग किया जा रहा है, जिसे अब 28 श्रेणियों तक बढ़ाया जा रहा हैऔर यह भारत के सबसे उन्नत कचरा वर्गीकरण मॉडलों में से एक बनता जा रहा है।

जब देश के कई राज्य अब भी कचरे के बेसिक कलेक्शन और अलगाव में जूझ रहे हैं, गोवा ने सर्कुलर इकॉनॉमी की सोच को अपनाते हुए टेक्नोलॉजी और समुदाय की भागीदारी को जोड़ा है। यह मॉडल न केवल दोहराया जा सकता है, बल्कि प्रेरणास्पद भी है। खासतौर पर तटीय राज्यों के लिए जो पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

## मुख्यमंत्री ने कथा वाचक डॉ मदन मोहन मिश्र को तुलसी एवार्ड से सम्मानित किया

**मुंबई।** प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कथावाचक मोरारी बापू द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह में प्रसिद्ध कथावाचक डा.मदनमोहन मिश्र महाराज मानस कोविद को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माला पहना कर अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में तुलसीपीठाश्वर जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज, जगतगुरु श्री वासुदेवानंद महाराज जी, श्री रामचंद्र दास जी महाराज समेत देश के हजारों श्रीराम कथा वाचकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर अन्तर्राष्ट्रीय श्रीराम कथा वाचक मोरारी बापू द्वारा चित्रकूट में आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध श्रीराम कथा वाचक डा.मदनमोहन मिश्र महाराज मानस कोविद को तुलसी एवार्ड से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किये जाने पर वाराणसी, सुलतानपुर, मुंबई तथा अन्य शहरों में रहने वाले उनके शुभचिंतकों में प्रसन्नता है। तुलसी एवार्ड से डा. मदनमोहन मिश्र के सम्मानित होने पर मुंबई से श्री रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्कसाईट के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, रामबिलास पाठक, दिवाकर मिश्र,दलजीत पांडेय, बाबुलनाथ तिवारी,राजकुमार तिवारी, सर्वदेव पांडेय,जनपद सुलतानपुर के जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल, देवेंद्र प्रताप सिंह,पत्रकार संतोष पाठक, बृजेश शुक्ल,पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र,विमलेश मिश्र,अरविंद शुक्ल,दिनेश सिंह, सुनील सिंह,चंद्रमणि सिंह, राजन सिंह, राजेश सिंह, ब्रह्मदेव दुबे, शुभम सिंह,अवधेश तिवारी, रामतीरथ शर्मा सहित कई अन्य लोगों ने खुशी जाहिर की है।

## पुलिस मुठभेड़ में वांछित बदमाशघायल

**आजमगढ़।** रौनापार पुलिस से मुठभेड़ में 10 मामलों में वांछित बदमाश शिवम यादव घायल हो गया। उसके साथ मौके पर पुलिस ने एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया है। रौनापार थाना क्षेत्र के महुला गांव स्थित सरकारी देशी शराब की दुकान के गोदाम में चोरी मामले में पुलिस को उसकी तलाश थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शनिवार रात नहर किनारे घेराबंदी की, जहां शिवम यादव से आमना-सामना हो गया। पुलिस ने उसे रूकने को कहा तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, उसे इलाज के लिए सीएचसी अजमतगढ़ भेजा गया। साथ ही एक बाल अपचारी को पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया। आरोपी के पास से तमंचा और बाइक बरामद की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक रौनापार थाना क्षेत्र के अजगरा मशर्फी (नैनीजोर) गांव निवासी राजकुमार गोंड़ ने थाने में तहरीर दी थी। आरोप था कि 31 जुलाई की रात 10.05 बजे छह अज्ञात चोरों ने शराब की दुकान के गोदाम में चोरी का प्रयास किया था। सीसी फुटेज में बदमाश असलहे के साथ दिखा। इस मामले में थाना रौनापार में मुकदमा दर्ज किया गया था। शनिवार को थाना प्रभारी मंतोष सिंह अपनी टीम के साथ कांखभार बाजार में मौजूद थे।

# ट्रंप टैरिफ से हैंडमेड कालीन उद्योग पर संकट, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की गुहार

## मांग की अनदेखी किया गया तो छीन सकता है लाखों बुनकरों की आजीविका

वाराणसी. भारत के हैंडमेड कालीन उद्योग पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों पर लगाए गए अतिरिक्त 5 फीसदी टैरिफ से यह परंपरागत और श्रम-प्रधान उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देशभर के कालीन उत्पादक क्षेत्रों, भदोही, वाराणसी, मिर्जापुर, शाहजहांपुर, पानीपत, आगरा, जयपुर, और श्रीनगर में काम करने वाले लाखों ग्रामीण बुनकरों और शिल्पकारों की आजीविका पर इसका सीधा असर पड़ा है।

कालीन निर्यातकों और कारीगरों का कहना है कि अमेरिका के इस नए शुल्क के चलते अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने पुराने ऑर्डर या तो रद्द कर दिए हैं या कीमतों में भारी कटौती की मांग करने लगे हैं। कई ऑर्डर री-निगोशिएशन के कारण समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इससे भारत के परंपरागत कालीन क्लस्टर में 30 फीसदी से अधिक कारोबार में गिरावट आई है।

भारत के पारंपरिक उद्योग पर सीधा प्रहार

टर्की, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों से मशीन से बने सस्ते कालीनों का आयात पहले ही चुनौती बना हुआ है। अब अमेरिका द्वारा लगाया गया यह नया टैरिफ भारतीय कालीनों की प्रतिस्पर्धा-क्षमता को और कमजोर कर रहा है। ज्ञात हो कि अमेरिका भारत के हैंडमेड कारपेट एक्सपोर्ट का 60 फीसदी तक का बाजार है।

निर्यात नहीं, संस्कृति और रोजगार का भी नुकसान

यह संकट केवल व्यापारिक नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक भी है। कालीन बुनाई सिर्फ एक उद्योग नहीं, बल्कि भारत की हस्तकला विरासत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ रही है। इस क्षेत्र में ज्यादातर कारीगर ग्रामीण, पिछड़े और कमजोर वर्ग से आते हैं। यह उद्योग लाखों लोगों के लिए आजीविका का एकमात्र साधन है। भारतीय हैंडमेड कारपेट इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संकट पर तत्काल हस्तक्षेप करने और एक विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि सरकार तुरंत कदम नहीं उठाती, तो यह उद्योग अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी क्षति की ओर बढ़ जाएगा।

ट्रेड प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन की चेतावनी

भारतीय कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन श्री कुलदीप राज वाटर ने कहा, ह्वयदि समय रहते नीति-निर्माण स्तर पर हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो भारत की एक ऐतिहासिक कला और लाखों परिवारों की आजीविका समाप्त हो सकती है।ह्व उन्होंने निर्यातकों और कारीगर संगठनों की तरफ से प्रधानमंत्री से अपील की है कि वह इस संकट में हस्तक्षेप करें और कालीन व टेक्सटाइल उद्योग के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करें। साथ ही अमेरिका के साथ राजनयिक स्तर पर व्यापार संतुलन की पहल की जाए। उनका कहना है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक हस्तकला विरासत और पारंपरिक रोजगार की रीढ़ पर चोट है। यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में बेरोजगारी और घाटे का बड़ा विस्फोट हो सकता है। उनका कहना है कि भारत के हैंडमेड कालीन उद्योग पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों पर लगाए गए अतिरिक्त 5 फीसदी टैरिफ से यह परंपरागत और श्रम-प्रधान उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

खरीदारों ने पुराने ऑर्डर या तो रद्द कर दिए हैं या कीमतों में भारी कटौती की मांग करने लगे हैं

सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य वासिफ अंसारी व असलम महबूब का कहना है कि अमेरिका के इस नए शुल्क के चलते अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने पुराने ऑर्डर या तो रद्द कर दिए हैं या कीमतों में भारी कटौती की मांग करने लगे हैं।

# मानसून में बालों की टूट-फूट से बचना है? शैम्पू से पहले जरूर करें तेल मालिश!

ठाणे। मानसून का मतलब है भीगी सड़कें, गरमागरम पकौड़ों की खुशबू और मिट्टी की सोंधी-सोंधी महक। लेकिन जिस तरह यह मौसम दिल को सुकून देता है, उसी तरह हमारे बालों के लिए कई परेशानियां भी लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है और बारिश का पानी सीधे बालों को नुकसान पहुंचाता है। नतीजतन, बाल रूखे हो जाते हैं, उलझते हैं और टूटने लगते हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ बनाए रखने का सबसे आसान और असरदार उपाय है—तेल लगाना। तेल सिर्फ बालों को गहराई से पोषण देता, बल्कि उन्हें लंबे समय तक होने वाले नुकसान से भी बचाता है। डॉ. शिल्पा वोरा, चीफ आरएंडडी ऑफिसर, मैरिको लिमिटेड, मानसून के मौसम में नियमित रूप से तेल लगाने की आदत के फायदे बताते हुए कहती है। बालों को मजबूत बनाना और मरम्मत करना : मानसून के मौसम में हवा की नमी बढ़ जाने से बाल अक्सर कमजोर, बेजान और रूखे हो जाते हैं। ऐसे में नियमित रूप से तेल लगाना बालों को जरूरी पोषण देने का सबसे आसान और असरदार तरीका है। इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और डैमेज वाली टूट-फूट की मरम्मत भी होती है। खासकर जब बाल गीले होते हैं, तो वे जल्दी टूटते हैं—ऐसे में तेल एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और सतह पर होने वाले नुकसान को भी कम करता है। बेहतर परिणाम के लिए आप पैराशूट एडवांस्ड गोल्ड कोकोनट हेयर ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं। यह नारियल तेल बालों की 10 परतों तक गहराई से जाकर पोषण देता है और बालों को भीतर से मजबूत और खूबसूरत बनाता है। मुलायम और आसानी से सुलझने वाले बाल : नियमित रूप से तेल लगाने से बाल न सिर्फ.मुलायम बनते हैं, बल्कि उन्हें सँवारना और स्टाइल करना भी आसान हो जाता है। खासकर मानसून की नमी में जब बाल जल्दी उलझ जाते हैं, तो तेल की नैचुरल चिकनाहट बालों को सुलझाने में मदद करती है और कंघी करते समय बालों का टूटना भी कम होता है। उलझे बालों से राहत पाने के लिए नारियल तेल को जड़ों से सिरों तक लगाएं, 30 मिनट तक छोड़ें और फिर धो लें।

# आकाशीय बिजली गिरने से विद्युतापूर्ति बाधित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 5 बजे आकाशीय बिजली गिरने से बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो गई। बिजली विभाग के अनुसार, इस घटना में दो बड़े ट्रांसफार्मर सहित कई स्थानों पर 11 हजार वोल्ट की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे अनेक मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आकाशीय बिजली गिरने से रामाश्रम अहमदखा मंडी में स्थित 630 डश्त्र और पुलिस लाइन स्थित 250 डश्त्र के ट्रांसफार्मर जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट जेल के पास पोस्ट ऑफिस कॉलोनी में दो पिन इंसुलेटर भी क्षतिग्रस्त हुए, जिसके चलते इलाके में बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप रही। घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य शुरू किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर और तारों की मरम्मत का कार्य जारी है, और जल्द ही प्रभावित क्षेत्रों में आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। बिजली आपूर्ति बाधित होने से कई इलाकों में लोगों को पेयजल, इंटरनेट और अन्य सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नागरिकों ने जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल किए जाने की मांग की है।

# पुरानी रंजिश में चली गोलियां, वृद्ध घायल, गाड़ी में तोड़फोड़

## बक्शा थाना क्षेत्र के मई गांव के पास हुई वारदात, पुलिस जांच में जुटी

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत मई गांव के समीप सोमवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब पुरानी रंजिश के चलते कुछ बदमाशों ने निजी कार सवार लोगों पर गोलियां चला दीं। इस वारदात में एक वृद्ध घायल हो गया। वहीं हमलावरों ने वाहन में भी जमकर तोड़फोड़ की।मिली जानकारी के अनुसार मई गांव निवासी आकाश मिश्रा अपने बड़े भाई रिंकू मिश्रा के साथ निजी कार से अपने मौसी के बेटे विजय प्रकाश मिश्रा को उनके गांव बरपुर छोड़ने जा रहे थे। जब उनकी कार गांव के पास नहर के किनारे पहुंची, तभी घात लगाकर बैठे हमलावरों ने कार पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुई फायरिंग से घटनास्थल पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस गोलीबारी में विजय प्रकाश मिश्रा के कंधे में गोली लग गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें लेकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हमलावरों ने गोलीबारी के बाद वाहन में भी तोड़फोड़ की और मौके से फरार हो गए। गोली चलने की सूचना पर बक्शा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना करते हुए छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। खबर लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी। लेकिन पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलते ही उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

# पुलिस इंस्पेक्टर का युवा पुत्र फांसी पर झूला, पुलिस मामले की कर रही है, जांच

मछलीशहर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर में एक पुलिस इंस्पेक्टर के युवा पुत्र ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रक्षाबंधन के अवसर पर परिवार के साथ आए 23 वर्षीय अमित कुमार घर जाने की बात कहकर अपने घर लौट गए। घटना कोतवाली के कोटवा गांव में हुई। अमित के पिता घनश्याम गौतम अमरोहा जिले में पुलिस लाइन में इंस्पेक्टर आरआई पद पर तैनात हैं। रक्षाबंधन के मौके पर अमित अपने बड़े भाई अंकित, बड़ी बहन पुष्पा और मां के साथ मछलीशहर आए थे। घर पहुंचने के बाद अमित ने दुपट्टे का सहारा लेकर पंखे से फांसी लगा ली। देर शाम जब परिवार के सदस्य घर पहुंचे तो उन्होंने अमित का शव पंखे से लटका हुआ पाया।आसपास के लोगों की मदद से परिजन शव को नीचे उतारकर सीएचसी ले गए। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह अमरोहा से लौटे मृतक के पिता की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# मौत का तालाब निगल गया एक और मासूम की जिंदगी

## पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने लापरवाह बीएमसी अधिकारियों पर एक्शन की मांग की

मुंबई। बोरीवली (पश्चिम) में झांसी की रानी उद्यान में स्थित तालाब में डूबने से रविवार को एक और बच्चे की दुःखद मौत हो गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

बता दें कि इस तालाब को लेकर महानगरपालिका की लापरवाही के खिलाफ जनसेवक गोपाल शेट्टी पिछले कई वर्षों से संघर्ष करते आ रहे हैं। इस तालाब की उचित देखभाल, सुरक्षा दीवार बनवाने और सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति को लेकर जनसेवक शेट्टी ने महानगरपालिका के संबंधित विभाग से अनगिनत बार पत्राचार किया था। वरिष्ठ अधिकारियों संग बैठकों के सिलसिलों के साथ-साथ उन्होंने कई बार आंदोलन तक छेड़ा। पर महानगरपालिका अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंगी और इस तालाब में डूबने से हो रही मौतों की गिनती बढ़ती चली गई। रविवार, 3 अगस्त को भी इस तालाब में एक और बच्चे की मौत की दर्दनाक खबर को सुनते ही पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी तत्काल घटनास्थल पर जा पहुंचे। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने दिवंगत बच्चे के परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की और फिर सैकड़ों कार्यकताओं के साथ एमएचबी पुलिस स्टेशन पहुंचकर गैरजिम्मेदार महानगरपालिका अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।इस तरह की जानलेवा घटनाओं को रोकने के लिए अहितियात बरतने और जिम्मेदार व्यक्तियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर गोपाल शेट्टी के नेतृत्व में हुए इस एक्शन से प्रशासन की चूलें तक हिल गईं। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय सहित कई पूर्व नगरसेवक, भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि माननीय अदालत ने इस तालाब की सम्पूर्ण देखरेख महानगरपालिका द्वारा करने संबंधी स्पष्ट आदेश वर्षों पहले जारी किया था। कलेक्टर ने तालाब स्थल की पूरी भूमि महानगरपालिका के सुपुर्द भी कर दी थी। जिसके उपरांत तत्कालीन बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने महानगरपालिका 'आर' वार्ड को इस तालाब की देखरेख के लिए दिशानिर्देश भी जारी किया था। परंतु वार्ड आफिसर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की लापरवाही के कारण तालाब आज भी लावारिस पड़ा है और यहां पर डूबने से मौतें के सिलसिलों के आंकड़े बढ़ते चले जा रहे हैं। वार्ड ऑफिसर और अन्य अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी उठानी होगी वरना कोई बड़ा आंदोलन करने के लिए, जनता मजबूर हो जाएगी।

# चितईपुर में स्पा सेंटर की खुली पोल देह व्यापार का मामला आया सामने, SOG-2 टीम ने की छापेमारी

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा हाल ही में गठित विशेष कार्य बल (SOG-2) ने चितईपुर थाना क्षेत्र में स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे देह व्यापार के दो अड्डों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। डीसीपी क्राइम सरवणन टी के नेतृत्व में सादी वर्दी में 15-20 जवानों की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान 8 युवतियां और 5 पुरुष पकड़े गए। स्पा सेंटरों से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है।छापेमारी के दौरान दो स्पा सेंटरों से 8 लड़कियों और 5 पुरुष ग्राहकों को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा, स्पा संचालन से जुड़े एक व्यक्ति को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों स्पा सेंटरों से इस्तेमाल किए गए और बिना इस्तेमाल किए कंडोम भी बरामद किए,जो कि इस अनैतिकता को दर्शाता है। SOG-2 की टीम ने ग्राहक बनकर स्पा सेंटरों में प्रवेश किया और वहां चल रही अवैध गतिविधियों का खुलासा किया। पुलिस ने स्पा संचालन से जुड़े चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस कमिश्नर ने इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध धंधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में स्वामित्व योजना के संबंध में समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में स्वामित्व योजना के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त तहसीलदार से ड्रोन सर्वे, अंतिम घरौनी बनने की स्थिति, प्रक्रिया, आ रही समस्याओं इत्यादि के संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि जितनी घरौनी जनरेट हो गई है उनकें 03 दिन के भीतर वितरण कराना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देशित दिए कि निर्विवाद वरासत के प्रकरण में आनावश्यक रूप से निरस्त न किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जितने भी राजस्व से जुड़े योजनाएं है उसमें प्रगति लाएं। गरीब असहाय से संबंधित प्रकरण में त्वरित गति से निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अंबस्ट, अन्य अधिकारी कर्मचारीगण, लेखपाल, सहित अन्य उपस्थित रहे।

# निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मुंबई। मानस मंच केंद्रीय समिति के तत्वावधान में नवीन नगर स्थित अरविन्द विद्या मंदिर में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशशेष पं. रघुराज शरण अवस्थी जी की पावन स्मृति में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर मे डा.जवाहर लाल रोहतगी चिकित्सालय के चिकित्सक दल के डॉ प्रशांत शर्मा, डॉ प्रतिभा, डॉ उत्कर्ष अवस्थी,डॉ योगेश कुमार, डॉ सोमू शर्मा, डॉ पीयूष द्विवेदी , डॉ प्रिन्स पाण्डेय डॉ उदय सिंह, डॉ भवानी, द्वारा दिन भर होने वाली भारी बारिश के बावजूद आंख, नाक, कान, गला, हड्डी, दांत, रक्तचाप और मधुमेह से ग्रसित 143 रोगियों का परीक्षण किया गया और उनको जरूरत के अनुसार दवाइयां भी प्रदान की गई। स्वास्थ्य परीक्षण में आंख, दांत,हड्डी रक्तचाप और मधुमेह से ग्रसित रोगियों की संख्या बहुतायिक रही। शिविर संचालन में डॉ सुरेश अवस्थी, कमलेश मिश्रा, हर स्वरूप निगम, दिनेश अवस्थी, आशुतोष सिंह चंदेल, पंकज द्विवेदी एवं मंच परिवार के सदस्यों ने अपना विशेष योगदान दिया।

# रेलवे फाटक बंद रहने से घंटों जाम में फंसी रहती है जनता, रेलवे से अंडरपास की उठी मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद जंक्शन और सिटी स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 5 पर दिनभर घंटों तक रेलगाड़ियां खड़ी रहने से आम जनमानस को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने रेलवे विभाग से जल्द से जल्द अंडरपास निर्माण की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से प्रतिदिन 60 से 70 हजार से अधिक लोगों का आवागमन करते हैं, जो लाइनबाजार से सितम सराय के बीच आता है। दिन में कई बार गेट बंद रहता है, और ट्रेनें आधे-आधे घंटे तक खड़ी रहती हैं, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। 500 मीटर से अधिक लंबा लगता है जाम गेट बंद होने की वजह से हर दिन लगभग 500 मीटर लंबी गाड़ियों की कतार लग जाती है। राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और व्यापारियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार एम्बुलेंस भी इस जाम में फंस जाती है, जिससे मरीजों की हालत गंभीर हो जाती है। नागरिकों की मांग—बने अंडरपास स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन अब हालात असहनीय हो गए हैं। आमजन ने रेलवे और जिला प्रशासन से मांग की है कि गेट नंबर 5 पर शीघ्र अंडरपास का निर्माण कराया जाए,जिससे इस मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित न हो और लोगों को राहत मिल सके।

# वाराणसी हुकुलगंज के बाढ़ पीड़ितों का प्रभारी मंत्रियों ने लिया जायजा

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के हुकुलगंज स्थित दीप्ति कान्वेंट स्कूल में आज बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर अशोक तिवारी, क्षेत्रीय पार्षद बृजेश चंद्र श्रीवास्तव, जिलाधिकारी वाराणसी, अपर जिलाधिकारी नगर एवं वित्त, मुख्यचिकित्साधिकारी, अपर नगर आयुक्त सुभाष सिंह समेत प्रशासन व पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे वही मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा बच्चों चाकलेट और बिस्किट दिया गया और सभी को ये बताया गया कि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या नही आनी चाहिए। प्रभारी मंत्री व अधिकारियों ने राहत शिविर में ठहरे बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं का जायजा लिया और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।वही क्षेत्रीय पार्षद ने अभी भी बाढ़ में डूबे मकानों में रह रहे लोगो की मदद करने के लिए कहा तो आलाधिकारियों ने पार्षद को सान्त्वना दिया।राहत शिविर में 28 परिवार के कुल 119 लोग मौजूद है जिसमे बच्चों की संख्या 35 है।

# राष्ट्रीय ओलमा काउंसिल के जिला सचिव ने जौनपुर सांसद को सौंपा ज्ञापन

-आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय ओलमा काउंसिल के जिला सचिव मोअज्जम अली ने जौनपुर के लोकसभा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में उन्होंने क्षेत्र की एक प्रमुख समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है ज्ञापन में बताया गया है कि तहसील शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लखमापुर में एक चकमार्ग है। यह क लंबे समय से सड़क की समस्या से जूझ रहा है। लखमापुर गांव से जुड़ा एक रास्ता जोहरा स्कूल से होकर गुजरता है। यह मार्ग बरसात के मौसम में जलभराव के कारण पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है।उल्लेखनीय है कि यह रास्ता बरंगी-जैगहां जाने वाली मुख्य सड़क से मात्र 350 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस मार्ग का उपयोग रोजाना अनेक छात्र-छात्राएँ स्कूल आने-जाने के लिए करते हैं ज्ञापन के माध्यम से इस रास्ते का शीघ्र पक्का निर्माण करवाने की मांग की गई है। इससे आम नागरिकों और विशेषकर स्कूली बच्चों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि सांसद महोदय इस समस्या का समाधान जल्द करवाएंगे।

# गेसु संवाद की 100 वीं कड़ी उज्जैन में संपन्न

वाराणसी। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज (जी.ई.सी.यू.) उज्जैन के भूतपूर्व छात्र लायन एस. के. पटेल द्वारा गेसु संवाद नामक कार्यक्रम की१०० वीं कड़ी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। यह संवाद कार्यक्रम जी. ई. सी. यू. के उन पूर्व छात्रों का एक ऑनलाइन साक्षात्कार है जिन्होंने पेशेवर उत्कृष्टता हासिल की है और भारत या विदेश में इंजीनियरिंग, फार्मा, एफिसरी, आई. टी., ए. आई. जैसे व्यवसायों में अपने पेशे में महान ऊंचाइयां हासिल की हैं। साथ ही पूर्व छात्र जिन्होंने भारत में और विदेशों में सशस्त्र बलों,आई.पी.एस., आई.ए.एस., वैज्ञानिक आदि क्षेत्रों में उच्च पद प्राप्त किए उनसे भी साक्षात्कार किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग के छात्रों को पेशेवर के रूप में जीवन में आने वाली चुनौतियों और उनका सामना करने और उन्हें कैसे हल किया जाए इस बारे में मार्गदर्शन करना है। और ये भूतपूर्व छात्र जो आज बड़े बड़े सफल उद्योग चला रहे हैं तथा विविध क्षेत्रों में अति उच्चतम पदों पर कार्यरत हैं उनकी सफलता यात्रा के निचोड़को इंजीनियरिंग छात्र अपने भविष्य निर्माण की एक मार्ग दर्शिका के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। वक्ता भारत, अमेरिका, चीन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, रूस आदि कई देशों में कार्यरत कॉलेज के भूतपूर्व छात्र हैं। छह साल पहले इस कार्यक्रम के उद्घाटन की प्रथम कड़ी में प्रथम वक्ता के रूप में कॉलेज के पूर्व छात्र लायन एस.के.पटेल को मुंबई के एक सफल व्यवसायी के रूप में साक्षात्कार के लिए पहले आमंत्रित किया गया था।

# पीएनबी वन के माध्यम से यूनिफाइड डीमैट ट्रेडिंग खाता खोलने की सुविधा के साथ पीएनबी बना रहा निवेशकों को सशक्त

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) अब डिजिटल एकीकृत डीमैट एवं ट्रेडिंग खाता खोलने की सुविधा प्रदान कर रहा है। यह सुविधा ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त कंवाईसी दस्तावेज की आवश्यकता के एक साथ पीएनबी वन मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से एक साथ डीमैट और ट्रेडिंग दोनो खाते खोलने में सक्षम बनाता है। यह डिजिटल सुविधा पीएनबी की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है जो ग्राहकों को डीमैट एवं ट्रेडिंग खाता खोलने की आसान सुविधा प्रदान करती है। ट्रेडिंग चैनल पार्टनर्स के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से पीएनबी ने एक एकीकृत मंच बनाया है जो डीमैट व ट्रेडिंग खाता खोलने में आने वाली पारंपरिक बाधाओं को दूर करता है। एकल आवेदन प्रक्रियाः निवेशक अब एक ही आवेदन का उपयोग कर डीमैट एवं ट्रेडिंग खाता खोल सकते हैं जो पेपरवर्क को खत्म कर समय की बचत करता है। निर्बाध एकीकरणः यह सुविधा डीमैट एवं ट्रेडिंग खातों के बीच सहज एकीकरण सुनिश्चित करती है। स्टेट्स अपडेटः ग्राहक ट्रेडिंग पार्टनर के एकीकृत डैशबोर्ड से दोनो खातों का प्रबंधन कर सकते हैं जो बेहतर विजिबिलिटी और रियल टाइम अपडेट प्रदान करता है।

# रेनूकुट व .G.C. NAAC राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद द्वारा मूल्यांकन कर ग्रेड प्रदान किये गए

रेनूकुट, सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। सोनभद्र जिले के रेनूकुट U.G.C. NAAC राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद द्वारा मूल्यांकन कर ग्रेड प्रदान किये गए (बाबू राम सिंह महाविद्यालय, खाडपाथर, मुर्धवा, रेनूकुट, सोनभद्र को विगत माह 10 एवं 11 जुलाई 2025 को जाचोंपरांत U.G.C. NAAC राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मान्यता (Accreditation) प्रदान किया गया। महाविद्यालय द्वारा प्राप्त इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आज दिनांक 03/08/2025 दिन रविवार को महाविद्यालय प्रांगण में संगोष्ठी आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज, झारोकला, सोनभद्र व पीएम राजकीय इण्टर कॉलेज, शक्तिनगर, सोनभद्र के प्रधानाचार्य बुलबुल मिश्रा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जीली अम्बष्ठा ने महाविद्यालय के उपलब्धियों के वारे में बताया। इस अवसर पर वनस्थली समिति की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम सिंह, राजकीय इण्टर कॉलेज, पिपरी, सोनभद्र के अंग्रेजी विभाग के प्रवक्ता अशोक त्रिपाठी एवं आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेनूकुट, सोनभद्र के अवकाश प्राप्त वरिष्ठ अध्यापक धनंजय दुबे, समस्त मीडिया हाउस के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहें। महाविद्यालय के प्रबन्धक बलवन्त सिंह ने महाविद्यालय की उपलब्धियों के साथ धन्यवाद ज्ञापन किये। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया एवं इस कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.रामू एवं श्रीमती वन्दना पाण्डेय ने किया हम सभी महाविद्यालय की उन्नति की कामना करते है।